राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 130 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 31 मार्च 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

बुढ़ापे में माता-पिता के लिए तेलंगाना सरकार का बड़ा फैसला, बेसहारा छोड़ा तो बेटे के वेतन से होगी 15प्रतिशत कटौती

नई दिल्ली। बुढ़ापे में माता-पिता के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. मां-बाप को बेसहारा छोड़ा तो बेटे के वेतन से 15ब कटौती होगी. मां-बाप को %बोझ% समझने वाले बच्चों पर सरकार ने सख्ती की है. तेलंगाना विधानसभा ने %पैरेंटल सपोर्ट बिल-2026% सर्वसम्मति से पास किया है. यदि कोई सरकारी कर्मचारी अपने माता-पिता की उचित देखभाल नहीं करता तो उसकी कुल मासिक सैलरी में से 15ब या 10,000 रुपए की कटौती होगी. देश में पहली बार सरकारी-गैर सरकारी कर्मचारियों, विधायकों, सांसदों और सरपंचों को भी माता-पिता के लिए जवाबदेह बनाया गया. विधेयक पेश करते हुए तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने जानकारी दी. कहा कि मैं एक ऐसे जनप्रतिनिधि को जानता हूं. जिनके पिता की कैंसर से मौत हो गई, लेकिन बेटे ने सुध नहीं ली।

नमो एप के जरिए असम और पुदुचेरी के मतदाताओं से जुड़ेंगे पीएम मोदी, सोशल मीडिया पर दी जानकारी

नइ दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से असम और पुदुचेरी में लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 1 बजे असम के प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे, जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके बाद, वे शाम 5ः30 बजे पुदुचेरी के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर पिछले एक दशक में असम में हासिल की गई विकासात्मक प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि राज्य ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है और विश्वास व्यक्त किया कि मतदाता डबल इंजन वाली एनडीए सरकार को एक और कार्यकाल के लिए समर्थन देंगे। पुदुचेरी के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने पिछले पांच वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश की आकांक्षाओं को पूरा किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रदर्शन से आगामी चुनावों में जनता का निरंतर समर्थन मिलने की संभावना है।

अयोध्या में श्रद्धालुओं को मिलेगा नया अनुभव, 17 मिनट में दिखेगी हनुमान की गाथा, 7डी गैलरी बनकर तैयार

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं को अब एक नया और अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव मिलने जा रहा है। यहां तैयार की गई अत्याधुनिक 7डी गैलरी में महज 17 मिनट में भक्तों को पवनपुत्र हनुमान की वीरता, भक्ति और पराक्रम की संपूर्ण गाथा देखने को मिलेगी। इस आधुनिक गैलरी में एक बार में करीब 30 श्रद्धालु बैठकर दिव्य अनुभव का आनंद ले सकेंगे। विशेष तकनीक से तैयार यह प्रस्तुति दर्शकों को ऐसा अनुभव देगी मानो वे स्वयं हनुमान जी के जीवन प्रसंगों के साक्षी बन रहे हों।
17 मिनट के प्रस्तुतीकरण में हिंदी व अंग्रेजी में हनुमान की गाथा को प्रस्तुत किया जाएगा। इस गाथा में कई ऐसे दृश्य दिखाए जाएंगे जो स्पेशल इफेक्ट से जीवंत होते नजर आएंगे। उड़ते हुए हनुमान का संजीवनी बूटी लाना, समुद्र लांघना, लंका दहन जैसे प्रसंगों को प्रभावशाली ध्वनि व प्रकाश प्रभावों के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। गैलरी का निर्माण कार्य पूरी तरह से पूरा हो चुका है और इसका ट्रायल भी सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है।
खास बात यह है कि फ्रांस के तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने अयोध्या में पांच दिन तक रुककर इसकी बारीकी से जांच और परीक्षण किया, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतरीन और त्रुटिरहित अनुभव मिल सके। अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शुभारंभ के लिए ट्रस्ट की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। जैसे ही हरी झंडी मिलेगी, यह 7डी गैलरी आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दी जाएगी। आस्था और आधुनिक तकनीक का यह अनूठा संगम न केवल श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा, बल्कि अयोध्या के आध्यात्मिक पर्यटन को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। रामकथा संग्रहालय के निदेशक डॉ. संजीव सिंह का कहना है कि 7डी गैलरी संकट मोचन बनकर तैयार हो चुकी है। फ्रांस से आई तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने यहां पांच दिन रहकर गैलरी का तकनीकी परीक्षण किया है। सबसे महत्वपूर्ण गैलरी का साउंड सिस्टम रहा, जिससे कई बार चेक किया गया। गैलरी के दरवाजे हैदराबाद से बनकर आए हैं, यह गैलरी पूरी तरह से साउंड प्रूफ है। फ्रांस की टीम ने प्रशिक्षण के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। अब ट्रस्ट की मंजूरी का इंतजार है, इसके तुरंत बाद यह गैलरी श्रद्धालुओं के लिए खोल दी जाएगी।

प्रदेश में योजना आरंभ से एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक आवास निर्माण

छत्तीसगढ़ ने रचा इतिहास : चालू वित्तीय वर्ष में 6 लाख से अधिक ग्रामीण आवास पूर्ण

चालू वित्तीय वर्ष में देश में सर्वाधिक आवास निर्माण

आवास से बदली तस्वीर : 9 हजार से ज्यादा महिलाएं बनीं लखपति दीदी

तेजी, पारदर्शिता और जवाबदेही का मॉडल बना छत्तीसगढ़

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण आवास निर्माण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए हैं। यह इस वर्ष देश में सर्वाधिक आवास निर्माण का आंकड़ा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री जनमन योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के सशक्त एवं समन्वित क्रियान्वयन से यह उपलब्धि संभव हो पाई है। इससे प्रदेश आवास निर्माण के क्षेत्र में एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभरा है।

सबको आवास के लक्ष्य को तेजी से साकार करने के लिए वर्तमान सरकार के प्रथम कैबिनेट निर्णय में 18 लाख आवास स्वीकृत

किए गए थे। वर्तमान में, सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को कवर कर लिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (क्करूड्ड-त्) के तहत 5.87 लाख, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत 13 हजार तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 10 हजार से अधिक आवास पूर्ण किए गए हैं। योजनाओं के प्रभावी समन्वय से 6 लाख से अधिक आवासों का लक्ष्य पार किया गया है।

यह उपलब्धि वर्ष 2016 में योजना प्रारंभ होने के बाद *प्रदेश में किसी एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक आवास पूर्ण होने का रिकॉर्ड है, *जो तेज क्रियान्वयन और प्रभावी मॉनिटरिंग को दर्शाता है। आवास निर्माण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नई गति आई है। डीलर दीदी मॉडल के तहत 9 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूह सदस्य आवास निर्माण की सामग्री आपूर्ति कर लखपति दीदी बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हुई हैं। इसके साथ ही हजारों महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका के अवसर प्राप्त हुए हैं। साथ ही, 6 हजार से अधिक राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 1200 से अधिक रानी मिस्त्री शामिल हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों को भी इस पहल से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर प्रदान किए गए हैं।

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए टोल-फ्री नंबर 18002331290 संचालित है। पिछले 10 महीनों में इस पर 1500 से अधिक शिकायतें एवं सुझाव प्राप्त हुए, जिनका त्वरित निराकरण किया गया है। हर माह की 7 तारीख को सभी ग्राम पंचायतों में आवास दिवस के माध्यम से जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।इसके साथ-साथ ग्राम पंचायत स्तर पर क्यू आर कोड आधारित सूचना प्रणाली से जानकारी सहज उपलब्ध हो रही है। छत्तीसगढ़ का यह मॉडल अब केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन , समावेशी विकास एवं पारदर्शिता की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में स्थापित हो रहा है।

पंचकूला-पानीपत में कोटक महिंद्रा-एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के बाहर पुलिस तैनात, शाखाएं खोलने की अनुमति नहीं

160 करोड़ रुपए गबन मामला

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा में कोटक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े लगभग ?160 करोड़ के कथित गबन मामले में सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। पंचकूला और पानीपत में बैंक शाखाओं के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। सोमवार सुबह बैंक कर्मचारियों को शाखाएं खोलने की अनुमति नहीं दी गई और स्टाफ बाहर ही खड़ा रहा। बताया जा रहा है कि इस मामले की जांच कर रही एंटी करप्शन ब्यूरो को दोनों बैंकों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। मामला पंचकूला नगर निगम द्वारा कराए गए फिक्स्ड डिपॉजिट (स्नष्ठ) से जुड़ा है। नगर निगम ने विभिन्न बैंकों में करीब ?160 करोड़ की एफडी करवाई थी। इनमें से कुछ एफडी के मैच्योर होने पर उनके रिकॉर्ड में गंभीर विसंगतियां सामने आईं। जांच के अनुसार, नगर निगम ने कोटक महिंद्रा बैंक में कुल 16 एफडी करवाई थीं। इनमें से 11 एफडी, जिनकी कुल राशि ?59.58 करोड़ थी, 16 फरवरी 2026 को मैच्योर हो गईं। लेकिन मैच्योरिटी के बाद बैंक द्वारा दिए गए विवरण नगर निगम के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते। खाता संख्या 2046903758 के संबंध में 16 मार्च 2026 को प्राप्त बैंक स्टेटमेंट के अनुसार, 13 मार्च को खाते में अपेक्षित ?50.07 करोड़ की जगह केवल ?2.18 करोड़ शेष थे। वहीं, बैंक ने यह भी बताया कि कोई सक्रिय एफडी मौजूद नहीं है और 18 मार्च 2026 तक खातों में कुल शेष राशि ?12.86 करोड़ ही रह गई थी। प्रारंभिक जांच में एफडी से जुड़े लेनदेन और रिकॉर्ड में बड़ी अनियमितताओं की आशंका जताई गई है।

तेल की बूंद-बूंद को तरसा पाकिस्तान, अब हर वीकेंड पर 'संपूर्ण लॉकडाउन' का ऐलान

हमेशा के लिए ठप होने वाली है एयरलाइंस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आर्थिक बदहाली और आसमान छूती महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान में अब एक भयानक संकट खड़ा हो गया है। देश में तेल की भारी किल्लत के चलते हाहाकार मचा हुआ है, जिसे देखते हुए सरकार ने एक बेहद सख्त और चौंकाने वाला कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री के निर्देश पर पाकिस्तान में अब हर हफ्ते शनिवार और रविवार को पूरे देश में 'स्मार्ट लॉकडाउन' लगाने का बड़ा फैसला लिया गया है। आगामी 4 और 5 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले इस नियम के बाद पूरे पाकिस्तान की रफ्तार वीकेंड पर पूरी तरह से थम जाएगी। तेल बचाने की इस भारी जद्दोजहद के बीच पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइंस (क्कढ्ढ) पर भी हमेशा के लिए ताला लटकने का खतरा मंडराने लगा है।

सरकार द्वारा तैयार किए गए इस प्रस्ताव के मुताबिक, देशव्यापी लॉकडाउन हर शनिवार रात 12ः01 बजे से शुरू होकर रविवार रात 11ः59 बजे तक सख्ती से लागू रहेगा। इस दौरान देश की सभी दुकानें, छोटे-बड़े बाजार, फैक्ट्रियां और अन्य कामकाजी गतिविधियां पूरी तरह से ठप रहेंगी। सर्विस सेक्टर पर भी पूरी तरह से ताला लटका रहेगा। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि इस वीकेंड लॉकडाउन के दौरान एक शहर से दूसरे शहर जाने वाली सड़कें, सभी हाईवे और मोटरवे आम जनता के लिए पूरी तरह सील रहेंगे और निजी गाड़ियों की आवाजाही पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, लोगों की बेहद जरूरी यात्राओं को ध्यान में रखते हुए सिर्फ पब्लिक बसों को इस पाबंदी से बाहर रखा गया है।

अस्पताल और रेलवे स्टेशन खुले रहेंगे

इस सख्त लॉकडाउन के बीच सरकार ने कुछ जरूरी और आपातकालीन सेवाओं को छूट दी है ताकि लोगों की जान पर न बन आए। पूरे पाकिस्तान में अस्पताल, दवा की दुकानें और अन्य आवश्यक सरकारी सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहेंगी। इसके अलावा, आवश्यक परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों के लिए एयरपोर्ट, बंदरगाह और रेलवे स्टेशन भी काम करते रहेंगे। इस संकट से निपटने के लिए सरकार ने प्रांतीय सरकारों को विशेष निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द दोपहिया और तिपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन पूरा करें। सरकार की योजना है कि इस रजिस्ट्रेशन के जरिए वह सीधे तौर पर गरीब और जरूरतमंद लोगों को तेल पर सब्सिडी का फायदा पहुंचा सके।

रुपये में ऐतिहासिक गिरावट; डॉलर के मुकाबले पहली बार 95 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए ने सोमवार को पहली बार 95 के स्तर को पार 95.2 का नया लो बनाया है। हालांकि, दिन के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 94.83 के स्तर पर बंद हुआ, जो कि शुक्रवार के बंद 94.81 से 0.3 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। मध्य पूर्व में तनाव के कारण डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार कमजोरी देखी जा रही है और अकेले मार्च में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा ने 4.4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकों के लिए ओवरनाइट नेट ओपन पॉजिशन लिमिट को घटाकर 100 मिलियन डॉलर करने के बाद, रुपया मजबूती के साथ खुला था, लेकिन सत्र के दौरान इसने अपनी बढ़त खो दी और शुरुआती स्तर से 160 पैसे गिर गया।

इसके अलावा, पिछले सप्ताह रुपए में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आई, जो इसी स्तर की लगातार चौथी साप्ताहिक गिरावट थी, और यह डॉलर के मुकाबले 94.84 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। बाजार बंद होने के बाद, केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि 10 अप्रैल तक, प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में, घरेलू बाजार में उनकी नेट ओपन रुपया पॉजिशन 100 मिलियन डॉलर से अधिक न हो।

केंद्र ने समुद्री दक्षता बढ़ाने के लिए न्यू मैंगलोर पोर्ट पर बर्थ के पुनर्विकास को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी (एनएमपीए) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत न्यू मैंगलोर पोर्ट पर बर्थ नंबर 9 का पुनर्विकास किया जाएगा। यह काम पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत डीबीएफओटी आधार पर किया जाएगा। सोमवार को इसकी जानकारी दी गई। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना को 25 मार्च 2026 को मंजूरी दी गई। यह कदम भारत के पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और समुद्री लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। करीब 438.29

करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना को एक निजी कंपनी द्वारा विकसित किया जाएगा, जिसे ओपन टेंडर प्रक्रिया के जरिए चुना जाएगा।

इस प्रोजेक्ट की कुल क्षमता 10.90 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) होगी। साथ ही, प्रोजेक्ट को संभालने वाली कंपनी पांचवें साल तक कम से कम 7.63 एमटीपीए कार्गो हैंडल करने की गारंटी देगी। निर्माण कार्य को पूरा होने में करीब 2 साल लगेंगे, जबकि पूरे प्रोजेक्ट की अवधि 30 साल की होगी।

इस योजना के तहत पुराने ढांचे को हटाकर बर्थ नंबर 9 को पूरी तरह से आधुनिक बनाया जाएगा। यहां पर कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद (पीओएल) और एलपीजी जैसे लिक्विड बल्क कार्गो को संभाला जाएगा।

मंत्रालय के अनुसार, इस आधुनिकीकरण के तहत बर्थ की गहराई (ड्राफ्ट) को मौजूदा 10.5 मीटर से बढ़ाकर 14 मीटर किया जाएगा और भविष्य में इसे 19.8 मीटर तक बढ़ाने की व्यवस्था भी रखी जाएगी। इससे पोर्ट पर 2 लाख डीडब्ल्यूटी तक के बड़े जहाज आसानी से आ-जा सकेंगे, जिसमें वेरी लार्ज गैस कैरियर्स (वीएलजीसी) भी शामिल हैं।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने कहा कि यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से आधुनिक बनाने का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के जरिए पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर को हटाकर आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे पोर्ट की क्षमता बढ़ेगी और भारत वैश्विक समुद्री व्यापार में अपनी मजबूत स्थिति बना सकेगा।

करीब 50 साल पुराने ढांचे की जगह नई आधुनिक संरचनाएं बनाई जाएंगी, जिनकी उम्र लगभग 50 साल तक होगी।

लोकसभा में नक्सलवाद पर बोले अमित शाह

नक्सलवाद खत्म, आदिवासियों को मिला असली न्याय

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है और आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। शाह ने विपक्ष खासकर कांग्रेस पर भी जमकर हमला बोला।

उन्होंने साफकहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है। कई मारे गए, कई ने सरेंडर किया और कुछ फरार हैं।

शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए, जिनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और

स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया।

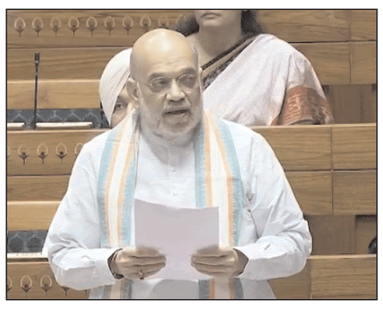

भोले आदिवासियों को बहकाकर हथियार थमाए

आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था। कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था। ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया। जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया। भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया।

गृह मंत्री ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय नक्सलवाद को बढ़ावा मिला। उन्होंने एनएसी, कुछ नेताओं और कथित नक्सल समर्थकों के संबंधों का जिक्र किया। शाह ने कहा कि यह मुद्दा यहीं नहीं रुकेगा और चुनाव तक जाएगा। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भी सवाल उठाए और कहा कि देश को जवाब देना होगा कि नक्सलवाद के दौर में क्या हुआ।

शाह ने बताया कि सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई, जिसमें सीएपीएफ राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया। फंडिंग और सपोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया। सरेंडर नीति लागू की गई, जिसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, जिससे नक्सलवाद कमजोर हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए।

'अगर जल्द समझौता नहीं हुआ, तो तबाह कर देंगे खर्ग द्वीप', राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उनका देश ईरान में अपने सैन्य अभियानों को समाप्त करने के लिए एक और अधिक समझदार शासन के साथ गंभीरता से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अगर किसी भी वजह जल्द ही कोई समझौता नहीं हो पाता है (जिसकी बहुत अधिक संभावना है) और अगर होर्मुजलडमरूमध्य व्यापार के लिए नहीं खुलता है, तो हम उनके सभी बिजली उत्पादन संयंत्रों, तेल कुओं और खर्ग द्वीप को पूरी तरह तबाह कर देंगे, जिन्हें हमने जानबूझकर अभी तक छुआ नहीं है। उन्होंने लिखा, यह उन असंख्य सैनिकों और अन्य लोगों का बदला होगा, जिन्हें ईरान ने पिछले शासन के 47 वर्षों के आतंक के दौरान बेरहमी से मार डाला था। इस मामले पर ध्यान देने के धन्यवाद।

दिल्ली हाई कोर्ट और विधानसभा समेत कई संस्थानों को भेजी फर्जी धमकियां

मैसूर से मास्टरमाइंड गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में हड़कंप मचाने वाले फर्जी धमकी संदेशों के मामले में दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने कर्नाटक के मैसूर से एक 47 साल के शख्स को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर 1,000 से ज्यादा फर्जी धमकी भरे मैसेज भेज चुका था। आरोपी की पहचान श्रीनिवास लुइस के रूप में हुई है। उसे दिल्ली पुलिस ने मैसूर में उसके किराए के घर से पकड़ा। इस ऑपरेशन को दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस ने मिलकर अंजाम दिया। अब आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है ताकि इन फर्जी धमकी भरे मैसेज भेजने के पीछे का सच पता किया जा सके। दरअसल, पिछले कुछ हफ्तों से देश के कई बड़े संस्थानों, अदालतों और सरकारी दफ्तरों को लगातार धमकी भरे संदेश मिल रहे थे, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हलचल मची हुई थी। इन संदेशों में बम धमाके जैसी गंभीर धमकियां दी जाती थीं। इतना ही नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट, दिल्ली विधानसभा और कई शैक्षणिक संस्थान भी इनका निशाना बने। हर बार ऐसे मैसेज मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी जाती थी, जांच की जाती थी और लोगों में डर का माहौल बन जाता था। हालांकि, जांच में बाद में ये सभी धमकियां फर्जी निकलीं। लेकिन तब तक पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को काफी संसाधन और समय लगाना पड़ता था। यही वजह है कि इस मामले को गंभीरता से लिया गया और आरोपी की तलाश शुरू की गई।

पुलिस के मुताबिक, टेक्निकल सर्विलांस और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए आरोपी श्रीनिवास लुइस तक पहुंचा गया। काफी समय से उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी, जिसके बाद आखिरकार उसे पकड़ लिया गया।

खबर-खास

सत्यम जयसवाल बने नगर सहसंयोजक, हिंदू जागरण मंच में खुशी की लहर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिंदू जागरण मंच ने संगठन विस्तार के तहत सत्यम जयसवाल को नगर सहसंयोजक नियुक्त किया है। इस निर्णय के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं में खुशी और उत्साह का माहौल है।

हिंदू जागरण मंच के जिला एवं नगर पदाधिकारियों की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक में संगठन की मजबूती, हिंदू समाज के उत्थान और सामाजिक समरसता बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सत्यम जयसवाल की कार्यशैली और समाज के प्रति उनकी निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। नवनियुक्त नगर सहसंयोजक सत्यम जयसवाल ने कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हिंदू जागरण मंच का उद्देश्य समाज को एकजुट करना, संस्कृति की रक्षा करना और जागरूकता फैलाना है।

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। संगठन के कार्यकर्ताओं ने सत्यम जयसवाल का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और उनके उज्जवल कार्यकाल की कामना की।

दामाद की हत्या में सास को उम्रकैद, पत्नी को 7 साल की सजा

पाटन (समय दर्शन)। थाना रानीतराई क्षेत्र से जुड़े बहुचर्चित हत्या मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। दरबारमोखली निवासी टिकेश्वर देशमुख की हत्या के मामले में उसकी सास भारती वर्मा को आजीवन कारावास और पत्नी अनिता देशमुख को 7 साल की सजा सुनाई गई है।

अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने मामले की सुनवाई के बाद दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने प्रभावी पैरवी की। घटना 28 अगस्त 2024 की रात करीब 8 बजे की है। बताया गया कि टिकेश्वर देशमुख घर में सो रहा था, तभी उसकी सास भारती वर्मा ने लोहे की गैती और टांगिया से उस पर हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपियों ने सबूत छुपाने की कोशिश की। सास भारती वर्मा और पत्नी अनिता देशमुख ने शव को बोरे में भरकर घर में ही छुपा दिया और अगले दिन घर में ताला लगाकर बच्चों को लेकर बाहर चली गईं। करीब चार दिन बाद घर से तेज बदबू आने पर ग्रामीणों को शक हुआ और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने सरपंच, कोटवार और ग्रामीणों की मौजूदगी में घर का ताला तोड़ा, जहां से सड़ी-गली हालत में शव बरामद हुआ। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर गहन जांच की। अंतिम प्रतिवेदन और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

ज्ञानभारतम् मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बैठक आयोजित

जगदलपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत ज्ञानभारतम् मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के आस्था हॉल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को जिले में सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर छिकारा ने कहा कि ज्ञानभारतम् मिशन के तहत जिले में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण, संरक्षण और दस्तावेजीकरण महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संबंधित इकाइयों के माध्यम से पाण्डुलिपियों की पहचान कर उनका व्यवस्थित संकलन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जिले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर कार्य करने तथा समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने पर जोर दिया।बैठक में अभियान की रूपरेखा, क्रियान्वयन की रणनीति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रतीक जैन, आयुक्त नगर पालिक निगम प्रवीण वर्मा, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के कुलसचिव सहित जिले के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी को अपने-अपने संस्थानों में अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं प्रवेश हेतु प्रवेश चयन परीक्षा 10 मई को

दुर्ग। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 17 अप्रैल 2026 तक निर्धारित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट एवं एनडीए की तैयारी कराना है।

कुआं बना श्री हेमंत साहू के जीवन में बदलाव की वजह, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कभी खेती के लिए पूरी तरह से बारिश पर निर्भर रहने वाले किसान श्री हेमंत साहू के लिए सिंचाई की स्थायी व्यवस्था एक सपने जैसी थी, लेकिन अब यह सपना साकार हो चुका है। विकासखंड बम्हनीडीह के ग्राम सरवानी में मनरेगा के तहत किए गए कुआं निर्माण ने किसान श्री हेमंत साहू के जीवन में नई ऊर्जा और

आत्मविश्वास भर दिया है। श्री साहू बताते हैं कि एक समय ऐसा था जब उनके खेत सूखे रहते थे। सिंचाई के अभाव में वे साल में केवल एक ही फसल ले पाते थे। परिवार की जरूरतें पूरी करना चुनौती बन जाती थी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी रहती थी। वर्ष 2023-24 में मनरेगा योजना के तहत उनके खेत में व्यक्तिगत कुआं निर्माण स्वीकृत हुआ। लगभग 2.99 लाख रुपये की लागत से बने इस कुएं ने न सिर्फ स्थायी सिंचाई का समाधान दिया, बल्कि 357 मानव दिवस का रोजगार भी सृजित किया। इससे गांव के मजदूरों को भी रोजगार मिला और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। ग्राम पंचायत सरवानी के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और तकनीकी अमले के सहयोग से यह कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। कुएं के निर्माण के बाद श्री हेमंत साहू अब वे सिर्फएक फसल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सालभर विभिन्न सब्जियों की खेती कर रहे हैं। कुएं के निर्माण के बाद अब हेमंत साहू के खेत में सालभर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो गई है, जिससे वे टमाटर, बैंगन, भिंडी, पत्तागोभी, लौकी, मिर्च, करेला, खीरा और ककड़ी जैसी विभिन्न सब्जियों की खेती कर रहे हैं। इससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उनका परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है। किसान श्री हेमंत साहू कहते है कि कुएं निर्माण की वजह से हर मौसम में खेती संभव हो गई है।

जगदलपुर में जनजातीय खेलों का शंखनाद

महाराष्ट्र और अरुणाचल के धावकों ने बिखेरी स्वर्णिम चमक

जगदलपुर (समय दर्शन)। बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर स्थित धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में सोमवार को चार दिवसीय खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। आयोजन के पहले ही दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय एथलीटों ने अपनी खेल कुशलता का परिचय दिया। एथलेटिक्स की स्पर्धाओं में विशेष रूप से 5000 मीटर की दौड़ आकर्षण का केंद्र रही, जहाँ धावकों के बीच सेकंड के सौवें हिस्से तक की कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। इस दौरान 110 मीटर बाधा दौड़ पुरूष एवं महिला वर्ग का पहला राउंड और 400 मीटर दौड़ महिला एवं पुरूष के पहले राउंड की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में महाराष्ट्र के धावकों ने ट्रैक पर अपना एकतरफा दबदबा कायम किया। महाराष्ट्र के गोविंद प्रकाश पाड़ेकर ने 15.11.35 का शानदार समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनके ठीक पीछे छाया की तरह चल रहे उन्हीं के राज्य के सूरज जयराम माशी ने 15.11.64 के समय के साथ रजत पदक हासिल कर महाराष्ट्र की झोली में दोहरी सफलता डाल दी। इसी स्पर्धा में मध्य प्रदेश के रंगलाल दोदियार ने 15.22.48 के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

वहीं महिलाओं की 5000 मीटर स्पर्धा में पूर्वोत्तर भारत की प्रतिभा का लोहा देखने को मिला। अरुणाचल प्रदेश की नेदी नगी ने 18.24.66 की रफ्तार के साथ दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीतते हुए अपनी राज्य का मान बढ़ाया। इस मुकाबले में मध्य प्रदेश की आरती डावर ने 18.19.28 के समय के साथ कड़ा संघर्ष करते हुए रजत पदक अपने नाम किया, जबकि नागालैंड की टी सूचोई टी ने 18.35.68 के साथ कांस्य पदक जीता।

पहले दिन की खेल समाप्ति के बाद पदक तालिका में महाराष्ट्र एक स्वर्ण और एक रजत के साथ शीर्ष स्थान पर काबिज है, जबकि अरुणाचल प्रदेश एक स्वर्ण पदक जीतकर दूसरे स्थान पर बना हुआ है। मध्यप्रदेश ने एक रजत और एक कांस्य के साथ अपनी स्थिति मजबूत की है।

बंदियों के आयु सत्यापन के लिए जेल का किया गया निरीक्षण

किशोरों की पहचान व संरक्षण के लिए कार्रवाई की जाएगी

गरियाबंद (समय दर्शन)। सर्वोच्च न्यायालय तथा बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार जेलों में निवासरत बंदियों का उम्र सत्यापन कराया जाएगा। उम्र निर्धारण के संबंध में संदेह अथवा प्रक्रियागत त्रुटि के कारण बच्चे जेलों में निरुद्ध हो जाते हैं। जिनके उम्र का सत्यापन करने के लिए अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के पैनल को सम्मिलित कर जेलों का निरीक्षण प्रत्येक तीन माह में किया जाता है।जिसके तहत जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी के मार्गदर्शन में सोमवार को दोपहर 12 बजे जिला जेल गरियाबंद का निरीक्षण किया गया।इस इस दौरान किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य श्रीमती पूर्णिमा तिवारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य श्रीमती ताकेश्वरी साहू, लोक आस्था की सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री लता नेताम,अधिवक्ता हेमराज दाउ,एवं विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी शरदचंद निषाद द्वारा जेल निरीक्षण किया गया।निरीक्षण समिति द्वारा 5 बैरकों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण समिति द्वारा प्रत्येक बंदियों से मुलाकात कर उनके वास्तविक आयु की जानकारी ली गई। जिसमें 180 बंदी निरूध्द पाया गया जबकि 10 बंदी अपने प्रकरण के अग्रिम कार्यवाही हेतु न्यायालय गये हुये थे।3 बंदियो ने जेल निरीक्षण समिति को बताया कि हमारा उम्र 18 वर्ष से कम लग रहा है,जबकि 2 बंदियों ने बताया कि जेल में निरुद्ध रहने से उनके बालकों का घर में देखरेख एवं संरक्षण करने वाले वैध संरक्षण घर में कोई नहीं है। जेल निरीक्षण समिति द्वारा उक्त बंदियों के जन्मतिथि सत्यापन कराकर बालकों के प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही करने का आश्वस्त किया। इस दौरान सहायक जेल अधीक्षक रवि भूआर्य भी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश ने महाराष्ट्र को 5-3 हराकर जीती अस्मिता वेस्ट जोन जूनियर बालिका हॉकी लीग, मेजबान छत्तीसगढ़ रही तीसरे स्थान पर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में भारत सरकार के सांई सेंटर व हॉकी इंडिया के द्वारा संचालित व छत्तीसगढ हॉकी द्वारा आयोजित अस्मिता हॉकी वेस्ट जोन हॉकी लीग के फायनल मुकाबले में मध्यप्रदेश ने महाराष्ट्र को 5-3 गोल से पराजित कर स्वर्ण पदक के साथ विजेता बनी। महाराष्ट्र रजत पदक के साथ उपविजेता व तीसरे स्थान पर मेजबान छत्तीसगढ़ ने कॉस्य पदक जीता।

प्रतियोगिता का समापन व पुरूस्कार वितरण समारोह श्रीमती वैशाली जैन सीएसपी राजनांदगांव के मुख्य आथित्य में, श्रीमती नीता नायर खेल अधिकारी कमला कॉलेज, सुश्री आशा थॉमस कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी, श्रीमती शबनम अंसारी अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी तथा कु. दिव्या (बास्केटबॉल कोच साई) के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर फिरोज अंसारी अध्यक्ष छत्तीसगढ हॉकी, शिव नारायण धकेता सचिव जिला हॉकी संघ, मृणाल चौबे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी, नीलमचंद जैन, भूषण साव, चंदन भारद्वाज अशोक नागवंशी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मैदान में बालिका खिलाड़ियों को देखकर लग रहा है कि काश में भी किसी न किसी स्पोर्ट्स से जुड़ी रहती, मुझे आप सभी खिलाड़ियों को देख कर बहुत ही अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि अनुशासन में रहते हुए खेलने से आपको आपकी मंजिल की प्राप्ति जरूर होती है, खिलाड़ी अपने समय को खेल में ही यूटिलाइज्ड करते हैं, ये आने वाले यूथ के लिए संकेत है। खेलने से खिलाड़ी न केवल फिट रहता है, बल्कि स्वास्थ्य भी ठीक रहता है, इस प्रकार वके आयोजन से खिलाड़ियों के हुनर को निखारने का कार्य छत्तीसगढ हॉकी द्वारा किया जा रहा है, इसके लिए मै बधाई देती हूं।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने अपने स्वागत भाषाण में कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण, हॉकी इंडिया एवं छत्तीसगढ़ हॉकी के संयुक्त तत्वाधान में बालिका हॉकी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारत सरकार एवं हॉकी इंडिया की इस पहल से खिलाड़ियों को उचित मंच मिल रहा है!

अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी लीग दिनांक 20 से 29 मार्च तक आयोजित की गई, जिसमें 20 से 24 मार्च तक सब जूनियर बालिका वर्ग तथा दिनांक 26 से 29 मार्च तक जूनियर बालिका वर्ग में आयोजित की गई। इसी संदर्भ में राजनांदगांव में आयोजित प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर की जोन से संबंधित कुल चार टीमें महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित मेजबान छत्तीसगढ़ की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम चार स्थान तक आने वाली टीमों को नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार 180000 रूपये द्वितीय पुरस्कार 144000 रूपये एवं तीसरा और चौथा पुरस्कार 90000 रुपये का चेक मैडल और ट्रॉफी उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रदान की गई।

हॉकी स्टेडियम में आज खेले फाइनल मैच में हॉकी मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य खेला गया। फायनल मैच में मध्यप्रदेश ने महाराष्ट्र को 5-3 गोल से पराजित किया। मैच के प्रारंभ में ही 15वें मिनट निकू ने गोल कर 1-0 की बढ़त बनाई थी। मैच के 19वें मिनट में मध्यप्रदेश की ओर से काजल ने गोल कर 1-1 की बराबरी पर ला दिया। 25वें मिनट में सान्या सैय्यद तथा काजल ने गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। महाराष्ट्र की संजना ने मैच के 36वें मिनट में गोल कर स्कोर 3.2 पर ला दिया। इसके बाद मैच के 37वें मिनट में संजना ने पुन: गोल करते हुए स्कोर को 3-3 गोल की बराबरी पर ला दिया। मैच के 50वें और 54वें मिनट में हॉकी मध्यप्रदेश की ओर से काजल ने लगातार गोल कर 5-3 के स्कोर से मैच जीत कर अस्मिता जूनियर बालिका का खिताब अपने नाम किया।

राष्ट्रीय नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित हुई पूनम अग्रवाल

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह का आयोजन एस. एन. जी.ऑडिटोरियम सेक्टर 4 भिलाई में आयोजित किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल रमेन डेका उपस्थित थे। उनके द्वारा अलग विधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 201 नारी शक्तियों का सम्मान किया गया। मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा नैला जांजगीर की अध्यक्ष श्रीमती पूनम अग्रवाल को सामाजिक जनहित जन सेवा कार्य के लिए राष्ट्रीय नारी शक्ति सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया उक्त कार्यक्रम में संगठन के उपस्थित सदस्यों के साथ-साथ आए हुए अतिथियों ने भी सम्मानित किया इस क्रम में वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज, राजाराम त्रिपाठी, संजय द्विवेदी छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर दुबे प्रदेश महामंत्री कुलवंत सिंह सलूजा प्रदेश संयोजक सतीश बौद्ध ने उन्हें सम्मानित करते हुए आगामी वर्ष भी इसी प्रकार कार्य करने के लिए आशीर्वाद प्रदान किया सम्मान उपरांत मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत गांधी जागृति शाखा की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती रीना केडिया सहित दोनों शाखा के प्रदेश कार्यकारिणी एवं शाखा के सदस्यों ने बधाई प्रेषित किया सम्मान प्राप्त होने उपरांत राष्ट्रीय पत्रकार मोर्चा भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुणाल गुप्ता संभागीय अध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल संभागीय सचिव संतोष देवांगन के साथ साथ प्रेस क्लब जांजगीर के अध्यक्ष राघवेंद्र पाठक सहित पत्रकार साथियों ने भी बधाई प्रेषित किया।

राजनांदगांव में रामनवमी शोभायात्रा का भव्य स्वागत, फूलों से हुई अभिनंदन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पावन पर्व रामनवमी पर नगर में भक्तिभाव और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। सर्व गुजराती समाज द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा का हिंदू जागरण मंच ने मानव मंदिर चौक में जोरदार स्वागत किया।

शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की आकर्षक झांकियां सजाई गईं, जो श्रद्धालुओं का आकर्षण बनी रहीं। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल लोग भजन-कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण कर रहे थे। जय श्रीराम के जयघोष से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

मानव मंदिर चौक पर मंच के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। खासतौर पर महिला इकाई ने फूलों की वर्षा कर भक्तों का अभिनंदन किया, जिससे पूरा क्षेत्र महक उठा और दृश्य अत्यंत मनोहारी बन गया।

हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आदर्शों और धर्म का पालन करने की प्रेरणा देता है। रामनवमी समाज में एकता, संस्कृति और धार्मिक जागरूकता फैलाने का अवसर है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग, महिलाएं, युवा और बच्चे उपस्थित रहे। आयोजन शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें प्रशासन का सहयोग भी सराहनीय रहा।

यह भव्य आयोजन नगर में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर सामने आया।

बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को निखारने संस्कार समर कैंप का हुआ शुभारंभ

संस्कार समर क्लासेस बच्चों में छुपी प्रतिभा निखारने का एक बड़ा मंच है-रामदुलारी

पिथौरा(समय दर्शन)। संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा के द्वारा ग्रीष्मकाल में बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को तराशने एवं निखारने के उद्देश्य से एक ही छत के नीचे विभिन्न कौशलों के विकास हेतु संस्कार समर कैंप का शुभारंभ प्रतिभा पब्लिक विद्यालय में रामदुलारी सीताराम सिन्हा के आतिथ्य व देवेश निषाद नगर पंचायत अध्यक्ष पिथौरा की अध्यक्षता तथा सीमा गौरव चंद्राकर समर क्लास संचालिका, नरेश पटेल बीआरसी पिथौरा,गोपाल शर्मा अध्यक्ष व्यापारी एकता मंच, सत्यनारायण अग्रवाल स्काउट संघ अध्यक्ष, राजा अभिषेक शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन पिथौरा इकाई, सुमन जितेंद्र सिन्हा जनपद सभापति, प्रियंका पटेल डायरेक्टर सन राइजिंग स्कूल खुटेरी,संतोष साहू स्काउट संघ शिक्षक, चंद्र प्रकाश सोनवानी कराते मास्टर , पिंटू बेहरा डांस कोरियो ग्राफर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों व पत्रकारों की गरिमामय उपस्थिति में शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामदुलारी सीताराम सिन्हा ने कहा कि संस्कार समर क्लास मे बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को उभारने के लिए एक बड़ा मंच मिला है। जिसमें आप सभी प्रतिभागी क्लास में शामिल होकर अपनी कला को आगे बढ़ाएं। निश्चित ही इस मंच के माध्यम से बच्चों में छुपी हुई प्रतिभा का? विकास होगा।

शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे देवेश निषाद नगर पंचायत अध्यक्ष पिथौरा ने कहा कि, इस क्लास के माध्यम से क्षेत्र के बच्चों को डांस संगीत स्पोकन इंग्लिश सहित विभिन्न विधाओं में आगे आने का मौका मिल रहा है। निश्चित रुप से यहां के शिक्षित बच्चे भविष्य में जिला से लेकर प्रदेश स्तर पर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगे ।

ऐसे मल्टी टैलेंटेड समर क्लासेस ज्यादातर बड़े शहरों में होती है लेकिन आज पिथौरा जैसे छोटे शहर में संस्कार शिक्षण केंद्र द्वारा शुरुआत करना क्षेत्र वासीयों के लिए सौभाग्य की बात है। विशिष्ट अतिथि के रूप उपस्थित गोपाल शर्मा अध्यक्ष व्यापारी एकता मंच ने समर क्लास में हो रही गतिविधियों की तारीफ करते हुए हर प्रकार के सहयोग करने की बात कही। नरेश पटेल, सत्यनारायण अग्रवाल, सुमन जितेंद्र सिन्हा, ने भी सभा को संबोधित कर प्रतिभागियों को अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित किया। ज्ञात हो कि यह समर कैंप 1 अप्रैल से 10 मई तक पुरे 40 दिनों तक चलेगी जिसमें स्कूलों के बच्चे के साथ सभी उम्र वर्ग के लोग भाग ले सकते हैं। संस्कार शिक्षण संस्थान की डायरेक्टर सीमा गौरव चंद्राकर ने समर कैंप की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मुख्य मकसद इस कैंप के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। कैंप में बीपीएल परिवार की महिलाओं छात्राओं के लिए निशुल्क प्रशिक्षण रखा गया है।

जिससे सभी वर्गों को लाभ मिल सके। जिला में इस तरह की यह पहला प्रशिक्षण संस्थान है जो महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न विधाओं में लगातार नौ साल साल से प्रशिक्षण संचालित कर रही है। आयोजन में संस्कार शिक्षण संस्थान से जुड़े हुए प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संचालन संतोष गुप्ता साहित्यकार पत्रकार व आभार गौरव चंद्राकर पत्रकार के द्वारा किया गया ।

पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश मान श्री बलराम प्रसाद वर्मा की गरिमामय उपस्थिति में हुआ कार्यशाला का उद्घाटन

NDPS एक्ट प्रकरणों की विवेचना को सुदृढ़ बनाने हेतु रायपुर कमिश्नरेट में पुलिस अधिकारियों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

रायपुर। रायपुर पुलिस के 125 विवेचकों/पुलिस अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण सत्र में भाग एवं विवेचना में हो रही प्रक्रियात्मक त्रुटियों से हुए अवगत कमिश्नरेटर रायपुर पुलिस द्वारा सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में आज दिनांक 29/03/2026 को NDPS प्रकरणों की विवेचना से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को NDPS मामलों की बारीकियों से अवगत कराना तथा दोष सिद्धि दर बढ़ाने हेतु आवश्यक सावधानियों पर मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यशाला में पुलिस कमिश्नरेट रायपुर एवं रायपुर ग्रामीण जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी तथा विवेचक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में न्यायपालिका एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम वर्मा, माननीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज सिन्हा, माननीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेश शर्मा तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आनंद सिंह उपस्थित रहे। पुलिस विभाग से पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले, पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर एवं पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) संदीप पटेल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर

डॉ संजीव शुक्ला ने युवाओं में बढ़ते नशे के प्रचलन पर चिंता व्यक्त की तथा इसे एक खतरनाक सामाजिक प्रवृत्ति बताया। उन्होंने विवेचक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि NDPS प्रकरणों में गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं सुदृढ़ साक्ष्य संकलन के माध्यम से दोष सिद्धि दर बढ़ाई जा सकती है, जिससे नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम वर्मा ने अपने उद्बोधन में थानों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संज्ञा देते हुए कहा कि अपराध पंजीबद्ध होना ही उसके उपचार की शुरुआत है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों की निष्पक्ष एवं संवेदनशील भूमिका पर जोर दिया तथा समाज में न्याय सुनिश्चित करने हेतु बिना किसी भेदभाव के कार्य करने की आवश्यकता बताई। उद्घाटन सत्र के पश्चात कार्यशाला में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में माननीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेश शर्मा द्वारा NDPS अधिनियम के प्रक्रियात्मक पहलुओं का विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने विवेचना के दौरान होने वाली सामान्य त्रुटियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उनके सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध रायपुर पुलिस की कार्यवाही जारी

28 मार्च की रात्रि में फंसे 137 नशेड़ी वाहन चालक

ड्रंक एंड ड्राइव कार्यवाही का उद्देश सड़क दुर्घटना में कमी लाना ,जान माल की रक्षा करना ,सड़क में चलते समय अनुशासन लाना है!

रायपुर। रायपुर शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा नवरात्रि समाप्त होते ही जाँच कार्यवाही में पुन: तेजी की जा रही है। डॉ संजीव शुक्ला पुलिस कमिश्नर और श्री विकास कुमार पुलिस उपायुक्त, यातायात एवं प्रोटोकॉल के निर्देशानुसार शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। शराब पीकर वाहन चलाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है और वाहन ड्राइवर अपने जीवन के साथ-साथ दूसरे के जीवन के लिए भी खतरा पैदा करता है। इसी क्रम में एम व्ही एक्ट की धारा 185 प्रावधानों के तहत शराब के नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जनवरी से आज तक लगभग 1400 नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है, जिन्हें नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 29 मार्च 2026 की रात्रि में एडिशनल डीसीपी श्री विवेक शुक्ला के नेतृत्व में शहर के आठ स्थानों पर यातायात थाना प्रभारी एवं यातायात पुलिस स्टॉफ के साथ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए कुल 137 वाहन चालकों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध चालान की कार्यवाही कर उन्हें सोमवार को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। लोगों में भ्रांति है कि पुलिस कोई टारगेट पूरा करने अभियान चलाती है, जबकि यातायात पुलिस का यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह स्वयं तथा अन्य लोगों के जीवन के लिए गंभीर खतरा भी है, अत: इस पर ज़ीरो टॉलरेंस की नीति जारी रहेगी।

आम नागरिकों से अपील

यातायात पुलिस रायपुर सभी वाहन चालकों एवं नागरिकों से अपील करती है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभायें ।

श्री राम सेवा समिति शंकर नगर में रामनवमी पर अजय महाकाली भजन की प्रस्तुति में राम मय हुवे श्रद्धालु

रायपुर...रामनवमी श्री राम जन्म उत्सव पर्व पर स्थानीय श्री राम जन्म समिति बालाजी शाखा सेक्टर 2 द्वारा शुक्रवार को राम जन्म उत्सव बड़ी धूम धाम से शिव शक्ति हनुमान श्री राम जानकी मंदिर परिसर में समस्त सनातनी भक्तों के बीच मनाया गया प्रात: 9 बजे से श्रद्धालुओं के बीच श्री राम जी के जन्म के साथ हवन के पश्चात महाप्रसाद भंडारे का आयोजन भी किया गया दोपहर 1 बजे से भजन व जसजीत के अंतर्गत शीतल जसगीत मानस मंडली शक्ति नगर की शानदार प्रस्तुति से भक्तों के साथ साथ भगवान भी खुश होकर बारिश के रूप में स्वयं विराजमान हुवे साथ ही मंदिर परिसर में शंकर नगर महिला मंडली की प्रस्तुति हुई संध्याकाल 6 बजे से मुख्य भजन संध्या में दुर्ग खेरथा से सुप्रसिद्ध जस गीत झांकी परिवार की मनमोहक प्रस्तुति विभिन्न देवी देवताओं की झांकियों के साथ भजन से श्रद्धालु ने देर रात लुफ्त उठाया इस अवसर पर संजय श्रीवास्तव छत्तीसगढ़ नान के अध्यक्ष, पुरंदर मिश्रा विधायक उत्तर

रायपुर, लोकेश कावडिया अध्यक्ष नि:शक्त जन, श्रीचंद सुंदरानी पूर्व विधायक, राजेश गुप्ता पार्षद,राम प्रजापति मंडल अध्यक्ष, सुधीर कुमार चौबे मंडल महामंत्री एवं समिति सदस्य, बिहारी राम वर्मा पूर्व सरपंच,डी.आर.साहू, राधेश्याम राय, सीताराम वर्मा, जयकिशन भट्टर, महेश तिवारी, मनोज पाण्डेय,आनंद राम मोंगरे, दिलीप नामपल्लीवार पी.आर.ओ.सीताराम कुर्रे, रामेश्वर साहू,बबला साहू, लंकेश वर्मा,बबला ध्रुव, अमित वर्मा, तुलसी राम साहू, मनीराम साहू, टेकराम साहू, मीना सेन, आरती साहू, श्रीधर दीवान, संजय चौबे, ओमप्रकाश दुबे, एवं अन्य गणमान्य नागरिक गण अरविंद साहू उपस्थित रहे।

कोण्डागांव जिले में किसानों को मिल रही डिजिटल किसान किताब की सुविधा

रायपुर। राज्य शासन की महत्वपूर्ण पहल के तहत कोण्डागांव जिले में किसानों को डिजिटल किसान किताब उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिनों जिला प्रशासन द्वारा ग्राम जामगांव में आयोजित शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 59 किसानों को डिजिटल किसान किताब वितरित की गई।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा डिजिटल शासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। डिजिटल किसान किताब पारंपरिक मैन्युअल किसान किताब का स्थान लेगी, जिससे किसानों और भूमिधारकों को आधुनिक, सरल एवं त्वरित सेवाएं प्राप्त होंगी। इस व्यवस्था के माध्यम से किसान अपनी भूमि संबंधी जानकारी कभी भी और कहीं से भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। यह सुविधा भुइया पोर्टल पर उपलब्ध है, जहां से किसान आसानी से जानकारी देख एवं डाउनलोड कर सकते हैं।

डिजिटल प्रणाली में आवश्यक विवरण स्वत: अपडेट होते रहेंगे, जिससे जानकारी संशोधन के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही, पटवारी द्वारा डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाणित प्रति उपलब्ध होने से दस्तावेजों की वैधता एवं पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। ऋण पुस्तिका से संबंधित जानकारी ऑनलाइन एवं वास्तविक समय में उपलब्ध होने से किसानों को बैंक ऋण, फसल ऋण तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी।

आम नागरिकों से अपील

यातायात पुलिस रायपुर सभी वाहन चालकों एवं नागरिकों से अपील करती है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभायें ।

प्रकृति प्रेमियों को मिल रहा अनूठा अनुभव, बढ़ रही संरक्षण के प्रति जागरूकता

खैरागढ़ के ईको कैंप छिंदारी में 'बर्डवॉक' बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर। वन विभाग खैरागढ़ द्वारा ईको कैंप छिंदारी में शुरू की गई 'बर्डवॉक' पहल प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। यह पहल वन मंत्री श्री केदार कश्यप की प्रेरणा और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है।

इसका उद्देश्य स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वर्ष 2026 से प्रारंभ इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को विशेषज्ञों की देखरेख में पक्षी भ्रमण (बर्डवॉक) आयोजित किया जा रहा है। इसमें आम नागरिकों, विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों को भाग लेने का अवसर मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि ईको कैंप छिंदारी जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र है, जहां छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली पक्षियों की लगभग 35 प्रतिशत प्रजातियाँ देखी जा

सकती हैं। यहां आने वाले पर्यटक विभिन्न रंग-बिरंगे पक्षियों को नजदीक से देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे हैं। हाल के बर्डवॉक कार्यक्रमों में खैरागढ़ के संगीत एवं कला के छात्र- छात्राओं सहित दुर्ग, रायपुर और राजनांदगांव से आए पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को पक्षियों के व्यवहार, घोंसला निर्माण और उनके प्राकृतिक आवास के बारे में जानकारी दी जा रही है। यह पहल केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की सीख भी देती है। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को शांत रहने, प्लास्टिक का उपयोग न करने और वन्यजीवों के आवास का सम्मान करने जैसे नियमों का पालन कराया जाता है।

पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए वयस्कों से 200 रुपए तथा विद्यार्थियों से 50 रुपए का सहयोग शुल्क निर्धारित

किया गया है। ईको कैंप का संचालन स्थानीय समुदाय द्वारा किया जा रहा है, जिसे वन विभाग का वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग प्राप्त है। ईको कैंप छिंदारी में बर्डवॉक के साथ-साथ बोटिंग, टेंटिंग, कैंपिंग तथा छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजनों जैसे फरा, ठेठरी और खुरमी का आनंद लेने की भी सुविधा उपलब्ध है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह स्थल पर्यटकों के लिए एक आदर्श पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

वन विभाग ने इच्छुक नागरिकों से बर्डवॉक में शामिल होने के लिए अग्रिम पंजीकरण कराने का आग्रह किया है, ताकि सभी को सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण अनुभव मिल सके। यह पहल इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने महावीर जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि भगवान महावीर ने मानवता के कल्याण के लिए सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य जैसे उच्च जीवन मूल्यों का संदेश दिया। उन्होंने समाज को अंधविश्वास, आडम्बर और कुरीतियों से दूर रहकर नैतिकता, करुणा और संयम का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी। भगवान महावीर के विचार आज भी समाज को शांति, सद्भाव और सहअस्तित्व की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भगवान महावीर का अहिंसा का सिद्धांत विश्व में शांति और भाईचारे की स्थापना का सशक्त माध्यम है। उनके जीवन से हमें आत्मसंयम, अनुशासन और सरल जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। राज्यपाल श्री डेका ने प्रदेशवासियों से भगवान महावीर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा आपसी सद्भाव, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया।

39 लाख की ठगी, मौदहापारा थाने में एफआईआर दर्ज

रायपुर। 39 लाख रूपए लेकर मशीन न बेचने वाले के खिलाफ पुलिस ने 420 दर्ज किया है। मौदहापारा पुलिस के अनुसार हुसैनी प्लाजा गुरूनानक चौक निवासी मोहम्मद शाहनवाज 29 ने कल शाम इमरान नवाब 42 के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। इमरान ने अपनी एचडीडी मशीन बेचने 23 जून 2021 को सौदा किया था। यह एक निर्माण मशीन है जो जमीन की सतह को खोदे बिना भूमिगत पाइप और केबल डालने का काम करती है। इसके एवज में 3 अप्रैल 24 के बीच 39 लाख रुपए लिए। उसके बाद से इमरान ने शाहनवाज को न मशीन सौंपा न रकम लौटा रहा। एक साल तक इंतजार के बाद शाहनवाज ने कल शाम धारा 420,406,506 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराया।

6 अप्रैल को भाजपा का 47वां स्थापना दिवस, पार्टी ने तैयारी शुरू की

रायपुर। भाजपा 6 अप्रैल को अपना 47वां स्थापना दिवस मनाएगी। देशभर के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में भी इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के संचालन के लिए प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया गया है। यशवंत जैन को इस समिति का संयोजक बनाया गया है। वहीं समिति में रंजना साहू, जी वेंकटराव और शिवनाथ यादव शामिल किए गए हैं। इसके अलावा ऋतु चौरसिया और कमल गर्ग भी समिति के सदस्य होंगे। 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक कार्यक्रमों का पखवाड़ा चलेगा। इस दौरान बूथ, मंडल और जिला स्तर पर विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। समिति द्वारा पूरे कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी और गरिमामय आयोजन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी इसी समिति पर होगी।

टाटा सॉल्ट ने देशभर की टेस्टिंग में शुद्धता के साथ कैटेगरी लीडरशिप को किया और मजबूत

नईदिल्ली। 1983 से भारत में आयोडीन युक्त नमक के क्षेत्र में अग्रणी ब्रांड रहा टाटा सॉल्ट एक बार फिर अपनी शुद्धता और भरोसे पर खरा उतरा है। एक लैब टेस्ट में 100 अलग-अलग नमक ब्रांड्स की जांच की गई, जिसमें टाटा सॉल्ट सबसे ज्यादा शुद्ध पाया गया। इस नतीजे ने टाटा सॉल्ट को देशभर में नमक की शुद्धता का एक मजबूत मानक बना दिया है। टाटा सॉल्ट हमेशा से अपने उत्पादों की गुणवत्ता और शुद्धता का खास ध्यान रखता है। इसी सोच के साथ कंपनी ने अपने नमक को कड़े गुणवत्ता मानकों और नियमों के तहत जांच के लिए पेश किया। इस जांच ने फिर साबित किया कि टाटा सॉल्ट शुद्धता और गुणवत्ता के मामले में भरोसेमंद विकल्प है। टाटा नमक हमेशा से अपनी अच्छी गुणवत्ता और भरोसे के लिए जाना जाता है। नमक के क्षेत्र में यह शुद्धता और विश्वसनीयता का एक मजबूत उदाहरण बना हुआ है। अपनी इस पहचान को बनाए रखने के लिए, कंपनी समय-समय पर सख्त गुणवत्ता जांच करती है और सभी जरूरी नियमों का पालन करती है। इन लगातार कोशिशों का मकसद यही है कि लोगों तक हमेशा अच्छा और भरोसेमंद आयोडीन युक्त नमक पहुंचे। इसी वजह से घर-घर में टाटा नमक पर विश्वास किया जाता है और शुद्धता व अच्छी गुणवत्ता के लिए इसे पहली पसंद माना जाता है। टाटा सॉल्ट की यह उपलब्धि चार दशकों से ज्यादा समय की उस यात्रा का हिस्सा है, जिसमें लगातार लोगों का भरोसा जीता है। यह उपभोक्ताओं को अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य के लिए सही विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करता है। टाटा सॉल्ट की यह कामयाबी चार दशक पहले शुरू हुए सफ़र का ही नतीजा है। यह उपभोक्ताओं को उचित मात्रा में आयोडीन के साथ अपनी सेहत को पहले रखने के लिए बढ़ावा देता है, ताकि वे ऐसा ब्रांड चुनें जो न सिर्फ़समय की कसौटी पर खरा उतरा हो बल्कि उसे पहचान भी दी हो। सिर्फ़एक प्रोडक्ट से कहीं ज़्यादा, टाटा सॉल्ट देश के भरोसे का प्रतीक बना हुआ है, 'देश का नमक' प्योरिटी के अपने शुरुआती वादे को लगातार पूरा कर रहा है।

प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की खपत लगातार ऊंचे स्तर पर

रायपुर। प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की खपत लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई है, लेकिन फ्लिहाल सप्लाई को लेकर किसी बड़े संकट की स्थिति नहीं है। रायपुर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सचिव अभय भंसाली ने बताया कि राजधानी में ही रोजाना पेट्रोल की खपत करीब 5 लाख लीटर और डीजल की खपत लगभग 9 लाख लीटर तक पहुंच रही है। वहीं पूरे छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन पेट्रोल की खपत करीब 15 लाख लीटर और डीजल की खपत लगभग 40 लाख लीटर है। उन्होंने बताया कि राजधानी से लगे लखौली में पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई मुख्य रूप से पारादीप से पाइपलाइन के जरिए होती है। यही वजह है कि आमतौर पर सप्लाई बाधित नहीं होती और बड़े संकट की स्थिति नहीं बनती।

दाम नहीं बढ़े यही बड़ी बात- केंद्र सरकार द्वारा दी गई हालिया छूट से आम उपभोक्ताओं को कितनी राहत मिलेगी और क्या इसका असर सीधे रिटेल कीमतों पर दिखेगा, भंसाली ने स्पष्ट कहा कि इससे आम जनता को सीधे तौर पर कोई राहत नहीं मिलेगी। यह एक इंटरनल एडजस्टमेंट है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लगभग सभी देशों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाए गए हैं, लेकिन भारत में कीमतें नहीं बढ़ाई गईं। ऐसे में इसे ही राहत माना जाना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े। उनके अनुसार सरकार द्वारा दी गई छूट का असर सीधे रिटेल कीमतों में कमी के रूप में नहीं दिखेगा, बल्कि इसका उद्देश्य तेल कंपनियों पर बढ़ते दबाव को कम करना और कीमतों को स्थिर रखना है।

संपादकीय

चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा रहता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। भारत (एवं कुछ अन्य देशों) के खिलाफ अपने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच फिर शुरू करने का अमेरिका का फैसला सीधे तौर पर उस विश्वास पर चोट है, जिसके आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता चल रही है। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन पहले ही व्यापार के सभी मान्य कायदों को तोड़ चुका है। उसने एकतरफा टैरिफ युद्ध छेड़ कर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाया। साफ है, उस कारण शुरू हुई व्यापार वार्ता में जो सहमतियां बनीं, वह उस पर भी कायम नहीं है। चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना टैरिफ लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को संकुचित कर दिया, तो अब ट्रंप ने विभिन्न देशों को घेरने का नया हथकंडा अपनाया है। भारत सहित 60 देशों के खिलाफ उसने यह जांच शुरू की है कि क्या उन देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों को तैयार करने में जबरिया मजदूरी का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कुछ क्षेत्र में कथित ओवर कैपिसिटी और अति उत्पादन जैसी संभावनाओं की जांच भी शुरू की गई है। अपने कानून के तहत अपने अधिकारियों द्वारा की गई जांच में जिन देशों को दोषी पाया जाएगा, ट्रंप प्रशासन उन पर टैरिफ या प्रतिबंध लगा सकेगा। आर्थिक शब्दावली में ऐसे कदमों को गैर-व्यापार रुकावटें माना जाता है। मुक्त व्यापार के दौर में एकतरफा ढंग से डाली गई ऐसी रुकावटों का कोई तर्क नहीं हो सकता। दरअसल, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का रुख ऐसा है कि उसकी जुबान पर भरोसा करना लगातार कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा किया जा सकता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय सहमति, समझौते और व्यवहार में जो चीज सबसे अहम होती है, वह विश्वसनीयता ही है। इसलिए उचित होगा कि भारत अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता से बाहर निकल आए। या वार्ता जारी रखने के लिए कम-से-कम 301 जांच को खत्म करने की शर्त लगाए। भारत पहले ही अत्यधिक रियायतें दे चुका है। अब चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना होगा।

मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत

हरिशंकर व्यास

बिहार से नीतीश कुमार की विदाई सिर्फ एक व्यक्ति की राजनीति का अंत नहीं है। न ही एक पार्टी की राजनीति के कमजोर होने का संकेत है। यह मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत है। एक एक करके वैसे भी मंडल की राजनीति करने वाले नेता राजनीतिक परिदृश्य से लुप्त हैं। मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और रामविलास पासवान का निधन हो गया है, जबकि लालू प्रसाद यादव चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराए जा चुके हैं। अब वे सक्रिय राजनीति करने में भी शारीरिक रूप से सक्षम नहीं हैं। मंडल राजनीति की आखिरी बड़े नेता नीतीश कुमार हैं, जिनका रिटायरमेंट प्लान भाजपा ने तैयार कर दिया है। सोचें, जिस नीतीश कुमार ने जीवन भर मुख्यमंत्री बने रहने की राजनीति की और तमाम किस्म के गठबंधन बदल दिए उनको कहना पड़ा है कि वे एक बार राज्यसभा जाकर देखना चाहते थे। ध्यान रहे नीतीश ने कई बार सहयोगी बदले। गठबंधन की पार्टियां बदलीं लेकिन मुख्यमंत्री बने रहे। करीब 20 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद अब वे राज्यसभा जा रहे हैं। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना या मुख्यमंत्री पद छोड़ना अपने आप में मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम नहीं है। असली बात यह है कि उनके हाथ से बिहार की कमान निकल रही है। बिहार की राजनीति अब पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के हाथ में जा रही है। भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा और बिहार की राजनीति लगभग पूरी तरह से दो ध्रुवीय हो जाएगी। नीतीश की पार्टी रहेगी लेकिन वह भाजपा पर निर्भर होगी। दूसरी ओर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद होगा, जिसके साथ कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों का गठबंधन है। सो, मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम के साथ साथ कह सकते हैं कि बिहार में बहुध्रुवीय राजनीति अब ज्यादा केंद्रीकृत होगी। भाजपा के मजबूत होने और राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने से उसके साथ वाली बाकी पार्टियों की हैसियत कमजोर होगी, चाहे वह पार्टी चिराग पासवान की हो या उपेंद्र कुशवाहा की या जीतन राम मांझी की हो। तह सकते है कि आखिर नरेंद्र मोदी की सरकार भी चारों तरफ आरक्षण बढ़ा रही है, अलग अलग क्षेत्रों में नए आरक्षण दे रही है, जाति जनगणना कराने जा रही है, उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली यूजीसी की नियमावली जारी करती है तो फिर कैसे यह राजनीति मंडल से अलग है? यह मंडल से इसलिए अलग है क्योंकि यह कांग्रेस और दूसरी प्रादेशिक पार्टियों की राजनीति की प्रतिक्रिया है और दूसरे इसमें अंतर्निहित तत्व कमंडल यानी धर्म की राजनीति का है। भाजपा का मकसद किसी न किसी रूप में पैन इंडिया हिंदू यूनिटी बनाने की है। पूरे भारत में हिंदू एकता बनाने के लिए भाजपा को जहां जो दांव चलना होता है वह चलती है। कहीं ईडब्लुएस का आरक्षण देकर अगड़ी जातियों को खुश करती है तो कहीं यूजीसी की नियमावली से पिछड़ी जातियों को संदेश देती है। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है। भाजपा बिहार में और पूरे देश में मंडल की राजनीति को कमंडल से रिप्लेस करना चाहती है। इसके लिए उसने धीरे धीरे मंडल और कमंडल को मिलाना शुरू कर दिया। मोदी ने यह माहौल बनाया कि कमंडल ही मंडल है। व्यापक हिंदू पहचान पर जोर दिया गया और यह स्थापित करने का प्रयास किया गया कि धर्मध्वजा उठाए हुए व्यक्ति की जाति क्या है यह महत्वपूर्ण नहीं है। वह कोई भी हो सकता है। असम से लेकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र तक भाजपा ने बड़े राज्यों में सवर्ण मुख्यमंत्री बनाए हैं। लेकिन सोशल मीडिया में सवर्ण इकोसिस्टम के लोग आक्रामक तरीके से सरकार पर हमला कर रहे हैं और यूजीसी के नियमों के हवाले से केंद्र की मोदी सरकार को अगड़ा विरोधी बता रहे हैं।

अहिंसा प्रशिक्षण से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव

31 मार्च महावीर जयंती पर विशेष

डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल

भगवान महावीर के सिद्धांत आज वैज्ञानिक दृष्टि से सर्वमान्य हो चुके हैं। महावीर द्वारा बताये गये अहिंसक मार्ग पर चलने से स्वस्थ, समृद्ध एवं सुखी समाज का निर्माण संभव है। मानव समाज के विकास के लिए शांति आवश्यक है। सभी वर्गों के परस्पर विकास से अनेक समस्याओं का समाधान संभव है। महावीर की दृष्टि में अभाव और अत्यधिक उपलब्धता दोनों ही हानिकारक हैं। भगवान् महावीर की शिक्षाओं से पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों का असंतुलन, युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक असहिष्णुता व गरीबों के आर्थिक शोषण जैसी समस्याओं के समाधान प्राप्त किये जा सकते हैं। भगवान् महावीर ने छब्बीस सौ वर्ष पूर्व वैज्ञानिक रूप में एक ऐसी अहिंसक जीवन शैली जीने की शिक्षा दी, जिससे स्वस्थ समाज की संरचना का साकार रूप सामने आया। सही मायने में स्वस्थ समाज की स्थापना के लिए अहिंसा का प्रशिक्षण की ही सर्वमान्य है। गांधी का दर्शन कहता है, हमें पशु से भिन्न करने में एकमात्र अहिंसा ही है। व्यक्ति हिंसक है, तो फिर वह पशु के समान है। मनुष्य होने या बनने के लिए व्यक्ति में अहिंसा का भाव होना आवश्यक है।

गांधी कहते है कि हमारा समाजवाद अथवा साम्यवाद अहिंसा पर आधारित होना चाहिए जिसमें मालिक-मजदूर एवं जमींदार-किसान के मध्य परस्पर सद्भावपूर्ण व्यवहार हो। नि:शस्त्र अहिंसा की शक्ति किसी भी परिस्थिति में सशस्त्र शक्ति से श्रेष्ठ ही होगी। व्यक्ति को जीवन में बहादुरी, निर्भीकता, स्पष्टता, सत्यनिष्ठा का इस हद तक विकास कर लेना कि तीर-तलवार उसके आगे तुच्छ जान पड़ें, यही अहिंसा की साधना है। शरीर की नश्वरता को समझते हुए, उसके न रहने का अवसर आने पर विचलित न होना ही अहिंसा है। मन, वचन और कर्म से किसी की हिंसा न करना अहिंसा कहा जाता है। यहाँ तक कि वाणी भी कठोर नहीं होनी चाहिए। फिर भी अहिंसा का इससे कहीं ज्यादा गहरा अर्थ है।

आज के दौर में शांतिप्रिय इंसान भी कहने लगा है कि अहिंसा अब सिर्फ उपदेश की चीज बन गई है। उसमें न तो किसी की आस्था है और न उससे किसी परिवर्तन की उम्मीद की जा सकती है। इस सवाल और सोच में समस्याओं से पलायन की प्रवृत्ति छिपी है। इसमें बुद्ध, महावीर और गांधी के सिद्धांतों पर अविश्वास की छाया भी है, जिन्होंने न केवल अहिंसा को अपना जीवन बनाया था, बल्कि प्रयोगों से साबित भी कर दिया था, कि अहिंसा एक सकारात्मक ताकत का नाम है। कुछ वर्षो पहले जैन संत आचार्य तुलसी ने इस अवधारणा को जन्म दिया था कि अगर हिंसा का प्रशिक्षण दिया जा सकता है, तो अहिंसा का क्यों नहीं? दरअसल हिंसा के लिए हमारा मस्तिष्क बहुत प्रशिक्षित है, इस आधार पर यह मान्यता स्थापित कर दी गई है कि हिंसा समस्या का समाधान है जबकि अहिंसा प्रशिक्षण से व्यक्ति के मानस को बदला जा सकता है।

वर्तमान दौर में लोगों का चिंतन इस ओर विकसित हो रहा है कि हिंसा के बिना कुछ नहीं हो सकता, न कोई सुनता है। आज सरकारों से मांगे मनवाने के लिए भी लोग हिंसा का सहारा लेते हैं तो वहीं सरकारे भी इस स्थिति से निपटने के लिए पुलिस से लाठी-गोली चलाने के लिए मजबूर दिखती हैं, यानी हिंसा एक हथियार है जो अहिंसा को मात देने में लगा है। दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ कहते है कि अहिंसा में हमारी आस्था तो है, मगर उसमें गहराई नहीं है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि अहिंसा में आस्था जगाने वाले प्रशिक्षण की व्यवस्था हो। जैसे पुलिस और सेना की जमात खड़ी की जा रही है, वैसे ही अहिंसक सैनिकों की जमात भी खड़ी की जाए, तभी अहिंसा की चेतना को जन-जन में प्रसारित किया जा सकता है। महाप्रज्ञ कहते है कि हिंसक ताकतों का सामने करने के लिएअहिंसक व्यक्तित्व, अहिंसा प्रशिक्षणके माध्यम से तैयार कर ही इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है।

मन-वचन-काया से किसी भी जीव को किंचित् मात्र भी दु:ख न हो। जब यह सिद्धांत हमारे निश्चय और जागृति में दृढ़ हो जाएगा, तभी हमअहिंसा के पालक बन सकते हैं। अहिंसा यात्रा के प्रणेता तेरापंथ धर्मसंघ के अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण का मानना है कि शांति केवल अहिंसा से ही संभव है पर अहिंसा का अर्थ इतना ही नहीं है कि किसी जीव की हत्या न की जाये. दूसरों को पीड़ा न पंहुचाना, उनके अधिकारों का हनन करना भी अहिंसा है। इस अहिंसा की पहले भी आवश्यकता थी और आज भी है पर आज विनाशक शस्त्रों के अंबार लगे हुए हैं. गरीबी एवं अभाव के कारण लोग नारकीय जीवन जीने के लिए विवश हैं। सैनिक छावनियों में लाखों-लाख सैनिक प्रतिदिन युद्धाभ्यास करते हैं. हिंसा की इतनी सूक्ष्म जानकारी और प्रशिक्षण दी जा रही है कि वर्षों तक यह क्रम चलता रहता है। हर वर्ष उसकी नयी-नयी तकनीक खोजी जाती है। नये-नये आधुनिक हथियार, नये-नये टैंक सामने आ रहे है। हिंसा के प्रशिक्षण के लिए प्रचार-प्रसार पर मुट्ठी भर निहित स्वार्थी शक्तियों द्वारा अकूत संसाधन लगाये जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में मन में एक विकल्प उठता है कि इतनी ट्रैनिंग दी जाती है, तो क्या अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है?

निश्चय ही आवश्यकता तो है, पर सवाल यह है कि उसे पूरा कैसे किया जाये? क्या केवल धर्मशास्त्रों के पढ़ने मात्र से अहिंसा जीवन में उतर आयेगी? क्या केवल प्रवचन सुनने मात्र से अहिंसा का जीवन में अवतरण हो जायेगा? नहीं। उसके लिए हमें अहिंसा के प्रशिक्षण पर विचार करना होगा। यह सोचना होगा कि हिंसा के क्या कारण हैं, तथा कैसे उनका निवारण किया जा सकता है। हिंसा के दो कारण हैं-आंतरिक एवं बाहरी।

हिंसा के आंतरिक कारण में सबसे बड़ा पोषक कारण है-तनाव। वही आदमी हिंसा करता है, जो तनाव से ग्रस्त रहता है। हिंसा का दूसरा पोषक कारण है-रासायनिक असंतुलन। हिंसा केवल बाहरी कारणों से ही नहीं होती, उसके भीतरी कारण भी होते हैं। हमारी ग्रंथियों में जो रसायन बनते हैं, उन रसायनों में जब असंतुलन पैदा हो जाता है, तब व्यक्ति हिंसक बन जाता है। हिंसा का तीसरा पोषक कारण है- नाड़ी तंत्रीय असंतुलन. नाड़ी तंत्रीय असंतुलन होते ही आदमी हिंसा पर उतारू हो जाता है। हिंसा का चैथा कारण है- निषेधात्मक दृष्टिकोण। घृणा, ईर्ष्या, भय, कामवासना ये सब निषेधक दृष्टिकोण हैं। उनसे भावतंत्र प्रभावित होता है और मनुष्य हिंसा में प्रवृत्त हो जाता है।

आज युवाओं के सामने ऐसे आदर्श व्यक्तित्वों की कमी है, जिसे वो अपना आदर्श व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार कर सकें। महात्मा गांधी हर पीढ़ी के युवाओं के आदर्श रहे हैं, एवं होने भी चाहिए। वर्तमान में हमारा समाज सांस्कृतिक एवं

राजनीतिक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे दौर में सरकारों को चाहिए कि सामाजिक परिवर्तनों को सही दिशा देने में गांधीजी के सिद्धांतोंको जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ अहिंसा प्रशिक्षण के लिए भी पृष्ठभूमि तैयार करनी चाहिए ताकि देश के युवाओं को अहिंसा प्रशिक्षण देकर स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में अग्रसर किया जा सके।

सर्वदलीय बैठक के मायने

ऐसी सर्वदलीय बैठक के मायने और उसकी सार्थकता ही क्या है, जिसमें न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी, भारत सरकार ने बुलाई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्योंज? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी 'ऊपर' और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं। मौजूदा कैबिनेट में प्रधानमंत्री के बाद उन्हीं का स्थान है। रक्षा मंत्री समेत गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैठक में मौजूद थे। वे अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े सवालों के स्पष्टीकरण देने में सक्षम हैं। सवाल तो यह है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी के पास सर्वदलीय बैठक के लिए भी 'समय' नहीं था अथवा यह 'सर्वश्रेष्ठ होने का अहंकार' था? नरेंद्र मोदी, अन्य 542 सांसदों की तरह, एक निर्वाचित सांसद हैं। एक संसदीय समूह ने उन्हें अपना नेता चुना था, जिसके आधार पर वह देश के प्रधानमंत्री बने। जनता प्रत्यक्ष तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुनती, लिहाजा उन्हें लोकतांत्रिक व्यवहार करना चाहिए। वह किसी साम्राज्य के प्रमुख नहीं हैं। ऐसी बैठकों में विपक्ष को कई सवाल, कई जिज्ञासाएं व्यक्त करने का मौका मिलता है। यकीनन प्रधानमंत्री के पास व्यापक और अतिरिक्त जानकारियां भी होती हैं, क्योंकि खुफिया समेत तमाम एजेंसियां और कूटनीतिक स्रोत भी उन्हें 'अपडेट' देते रहते हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का जवाब, किसी अन्य मंत्री की तुलना में, ठोस और तार्किक होता है। देश भी ऐसे जवाबों से रूबरू होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के दोनों सदनों में, अलग-अलग दिन, ईरान युद्ध से उपजे हालात और भारत की स्थितियों पर वक्तव्य दिए और वह संसद से चले गए। हम नहीं जानते कि संसद में ऐसे नियम हैं अथवा नहीं हैं, संवैधानिक व्यवस्था क्या है, लेकिन हमने चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों को हर समय संसद के प्रति जवाबदेह देखा है। उन्होंने बेहद नाजुक और विवादित मुद्दों पर भी खुलकर जवाब दिए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह अधिकांश सर्वदलीय बैठकों में शामिल होते थे। हालांकि उन्हें 'दुर्घटनावश प्रधानमंत्री' करार दिया जाता था। मध्य-पूर्व, पश्चिम एशिया संकट पर ही प्रधानमंत्री मोदी संसद में ही उपस्थित क्यों नहीं रहे, ताकि विपक्ष उनसे सवाल कर सकता? प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और शेष विपक्ष के दरमियान बहुत गहरी खाई है, फासले हैं, उन्हें क्या नामकरण दिया जाए, हम नहीं जानते, लेकिन ये लोकतंत्र और देश के हित में नहीं हैं। बहरहाल बैठक में ब्रीफ किया गया कि देश में तेल-गैस पर्याप्त हैं, होर्मुज समुद्री मार्ग से ही कुछ और जहाज आ रहे हैं, लेकिन इसका जवाब नहीं दिया कि सडक़ों और पेट्रोल पंपों पर जो लंबी कतारें लगी हैं, उन्हें कब तक 'अफवाह' माना जाए? कच्चे तेल का इंडियन बास्केट 30 फीसदी महंगा हो गया है। रूस को हमने 60 मिलियन टन तेल का ऑर्डर बढ़े दामों पर दिया है।

सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला

अजीत द्विवेदी

पुरानी कहावत है कि 'चुनाव से पहले, युद्ध के दौरान और शिकार के बाद सबसे ज्यादा झूठ बोले जाते हैं'। सो, ईरान में युद्ध चल रहा है और झूठ की चौतरफा बौछार हो रही है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि युद्ध अमेरिका ने शुरू नहीं किया लेकिन इसे खत्म अमेरिका करेगा। हालांकि सारी दुनिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल ने दिन दहाड़े हमले की शुरुआत की और एक संप्रभु देश के सर्वोच्च नेता को मार डाला। दूसरी ओर अमेरिका से ही एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि पेंटागन ने कांग्रेस की समिति के सामने कहा है कि उनके पास कोई खुफिया सूचना नहीं थी कि ईरान हमला करने जा रहा है। इसका अर्थ है कि कांग्रेस के सामने पेंटागन की ओर से कुछ और कहा जा रहा है और पेंटागन के प्रमुख मीडिया के सामने कुछ और कह रहे हैं!

इसी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अभी तो हमला शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी सबसे बड़ा हमला करेगा और उधर पेंटागन से खबर है कि वहां के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से लेकर तमाम रक्षा जानकार इस बात की चिंता में हैं कि अमेरिका के मिसाइल और हथियारों का भंडार तेजी से खत्म होता जा रहा है। अमेरिकी रक्षा क्षेत्र में यह चिंता इसलिए है क्योंकि जितनी तेजी से मिसाइल और दूसरे हथियार खर्च हो रहे हैं उतनी तेजी से उन्हें बनाया नहीं जा सकता है। इस चिंता का एक पहलू यह भी है कि अगर युद्ध का कोई नया मोर्चा खुला या उत्तर कोरिया और चीन की ओर से कुछ हुआ, जिसका जवाब अमेरिका को देना पड़े तो क्या होगा? लेकिन ट्रंप सबसे बड़े हमले की बात कर रहे हैं।

ऐसे ही राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि जरुरत पड़ी तो वे अमेरिकी सेना को ईरान की जमीन पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि वे पिछले राष्ट्रपतियों की तरह नहीं हैं, जिन्होंने हमेशा जमीनी सेना उतारने से इनकार किया। ट्रंप ने यह ऐसी बात कही है, जिस पर किसी को यकीन नहीं होगा। ईरान में जमीनी सैनिक उतारना अमेरिका के लिए बहुत मुश्किल वाला फैसला होगा। इसका कारण यह है कि ईरान में उसके पास कोई जमीनी सपोर्ट सिस्टम नहीं है। दूसरे, ईरान के पास 11 लाख से ज्यादा की संख्या वाली बहुत व्यवस्थित सेना है, जिसमें दो लाख आईआरजीसी के प्रशिक्षित कमांडो जैसे सैनिक हैं। तीसरे, ईरान नौ करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है। चौथे, उसकी भोगोलिक सीमाएं बहुत विशाल हैं।

वह इजराइल से 70 गुना बड़े क्षेत्रफल वाला देश है। पांचवें, ईरान में लंबी लंबी पहाड़ों की श्रृंखलाएं हैं और दुर्गम क्षेत्र बहुत बड़ा है। सोचें, गाजा जैसे छोटे से इलाके में दो साल से युद्ध चल रहा है, जिसमें 70 हजार लोग मारे गए हैं फिर भी इजराइल जीत नहीं पाया है, जबकि गाजा एक ऐसा जमीन का टुकड़ा है, जो इजराइल और मेडिटेरेनियन समुद्र के बीच दबा हुआ है। जब वहां दो साल से लड़ाई खत्म नहीं हो रही है तो ईरान जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में कैसे अमेरिका जमीन पर सैनिक उतारेगा? सो, ऐसा लग रहा है कि यह झूठ भी ईरान की फौज को डराने और लोगों को बगावत के लिए उकसाने के मकसद से बोला गया है।

बहरहाल, यह इतिहास का संभवत: पहला युद्ध होगा, जो वार्ता विफल होने की वजह से नहीं, बल्कि वार्ता सफल होने की वजह से लड़ा जा रहा है। ईरान और अमेरिका की वार्ता में मध्यस्थता कर रहे ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमाद अल बुसैदी ने 28 फरवरी को कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता अंतिम दौर में है और समझौते का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान यह गारंटी देने को तैयार हो गया है कि वह कभी भी परमाणु बम नहीं बनाएगा। साथ ही वह इस बात के लिए भी तैयार हो गया है कि इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी यानी आईएईए की टीम उसके परमाणु ठिकानों का दौरा करके जांच कर ले। लेकिन बुसैदी के यह कहने के तुरंत बाद अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला शुरू कर दिया। याद करें इसी तरह पिछले साल जून में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 14 दिन का समय दिया था और तीसरे ही दिन हमला शुरू कर दिया था।

फरवरी 2026 के हमले में गोलपोस्ट कैसे बदल रहा है यह देखना भी बहुत दिलचस्प है। पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के लिए हमला हुआ है। हालांकि यहां भी सवाल उठता है कि जब जून 2025 के हमलों के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु संयंत्रों को 'ओबलिटेरेट' कर दिया गया यानी नामोनिशान मिटा दिया गया तब फिर आठ महीने में ही परमाणु संयंत्र कैसे काम करने लगे। बहरहाल, युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक क्रांति के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला किया गया है। यानी परमाणु ठिकानों को खत्म करना लक्ष्य नहीं है, बल्कि सत्ता बदलना लक्ष्य है।

अब पहला सवाल है कि सत्ता क्यों बदलनी है? इसका सीधा जवाब है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया की भू राजनीतिक स्थितियों को हमेशा के लिए बदल देना है। उसे स्थिर सत्ता और सैन्य ताकत वाले इकलौते मजबूत देश ईरान को समाप्त करना है। सद्दाम हुसैन का इराक खत्म हो गया, गद्दाफी का लीबिया और असद का सीरिया भी समाप्त हो गया। अगर ईरान की इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता समाप्त हो जाती है तो पूरे पश्चिम एशिया में इजराइल इकलौती महाशक्ति बचेगा। ध्यान रहे अमेरिका ने पश्चिम एशिया के बाकी देशों का आर्थिक हित या तो अपने साथ जोड़ लिया है या इजराइल से जुड़वा दिया। सो, यह युद्ध एक बड़े लक्ष्य के लिए है, जिसे निश्चित रूप से इजराइल ने तय किया है। अब दूसरा सवाल है कि सत्ता कैसे बदलेगी? हवाई हमले में नेताओं को और कुछ सैनिक कमांडरों को मारा जा सकता है या इमारतें ध्वस्त की जा सकती हैं। सत्ता परिवर्तन तो उससे नहीं हो सकता है। सत्ता परिवर्तन के दो मॉडल हैं। या तो अमेरिका जमीनी फौज उतारे और ईरान के तमाम फौजी कमांडरों, गार्जियन कौंसिल के सदस्यों और धर्मगुरुओं को मार डाले या उनको बंधक बना कर वहां अपने समर्थन वाले किसी व्यक्ति को गद्दी पर बैठाए। इराक में उसने ऐसा किया था। दूसरा मॉडल लीबिया और सीरिया वाला है। इन देशों में पहले से सशस्त्र संघर्ष चल रहा था। सीरिया में तो 2012 से ही गृह युद्ध छिड़ा हुआ था। इसलिए वहां अमेरिका को अपनी फौज उतारने की जरुरत नहीं पड़ी थी।

आतंकवादियों के हथियारबंद गिरोहों में से एक गिरोह को समर्थन देकर सत्ता में बैठा दिया गया। सीरिया में अमेरिका ने उस जिहादी को गद्दी पर बैठाया है, जिस पर करीब सौ करोड़ रुपए का इनाम खुद अमेरिका ने रखा था। बहरहाल, यह मॉडल भी ईरान में नहीं चल सकता है क्योंकि वहां कोई सशस्त्र विद्रोह नहीं चल रहा है और कोई हथियारबंद गिरोह सरकार के खिलाफ नहीं लड़ रहा है। आम लोग जरूर लड़ते हैं लेकिन वह उनके मानवाधिकारों की लड़ाई होती है। अमेरिका ने जिस तरह से हमला करके वहां के सर्वोच्च धर्मगुरू अयातुल्ला खामेनेई को मारा है उसके बाद राष्ट्रवाद की भावना मजबूत हुई है। ऐसे मौकों पर आमतौर पर ऐसा होता है। तभी जनता का लोकप्रिय समर्थन मिलने की संभावना भी कम हो जाती है।

सो, यह लाख टके का सवाल है कि सत्ता में बदलाव कैसे होगा? यह भी सवाल है कि अगर सत्ता नहीं बदलती है तो अमेरिका क्या मुंह लेकर युद्ध से निकलेगा? ध्यान रहे बाहर से किए जाने वाले सत्ता परिवर्तन के नतीजे दुनिया ने देखे हैं। हर बार ऐसे प्रयोग विफल रहे हैं और जहां भी ऐसा किया गया है वहां हिंसा और अस्थिरता बढ़ी है। तभी यह आशंका है कि अमेरिका पश्चिम एशिया में एक और इराक बना कर वहां से निकल जाएगा। दूसरी ओर पूरा ईरान अलग अलग समूहों के सशस्त्र संघर्ष का क्षेत्र बन कर रह जाएगा।

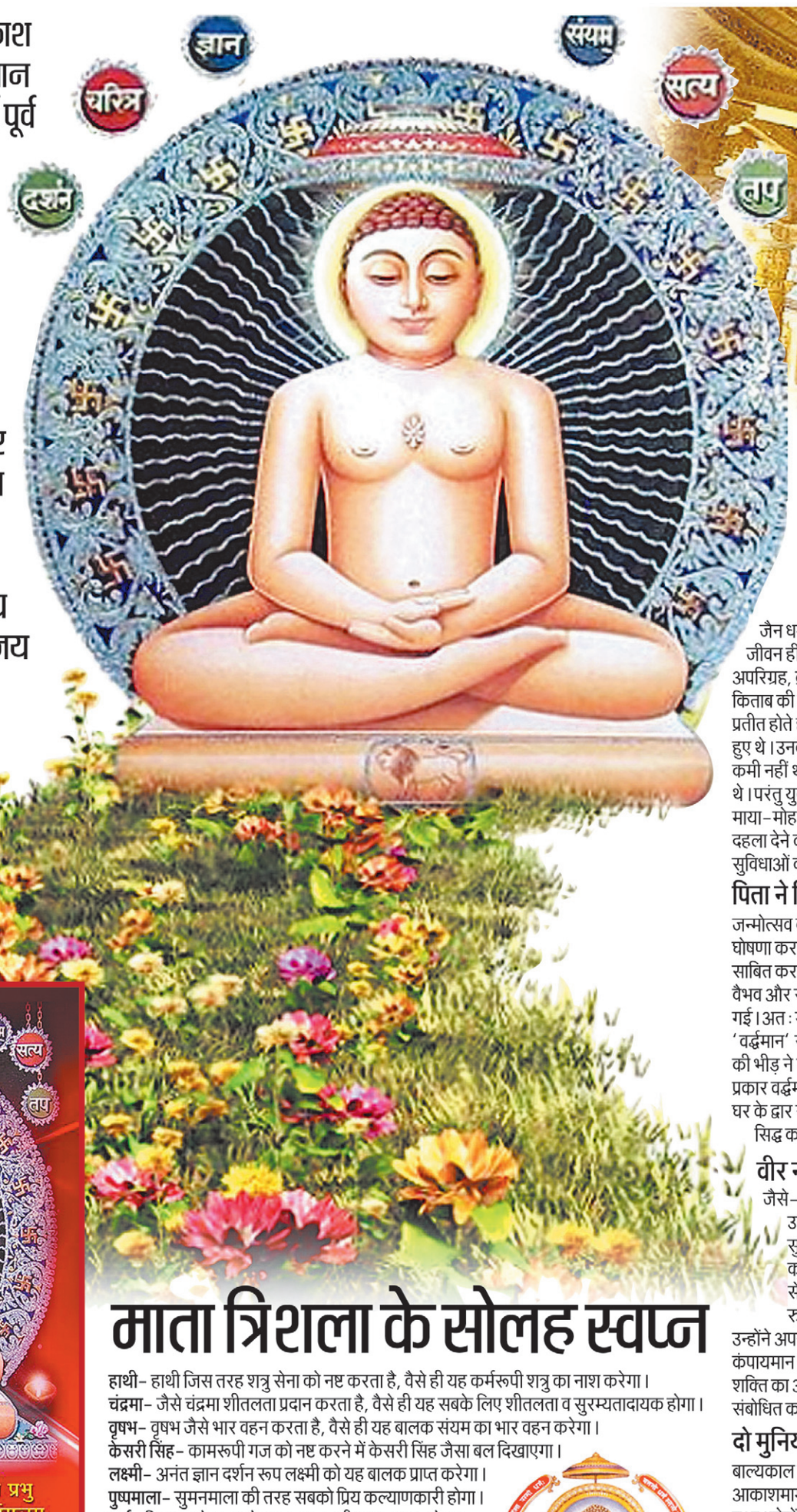

मानव समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने वाले महापुरुष भगवान महावीर का जन्म ईसा से 599 वर्ष पूर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज 'श्री सिद्धार्थ' और माता 'त्रिशिला देवी' के यहां हुआ था। जिस कारण इस दिन जैन श्रद्धालु इस पावन दिवस को 'महावीर जयन्ती' के रूप में परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास और श्रद्धाभक्ति पूर्वक मनाते हैं। बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था। जैन धर्मियों का मानना है कि वर्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामान माना गया, जिस कारण उनको महावीर कहा गया और उनके अनुयायी जैन कहलाए।

महावीर स्वामी ईश्वर का अद्भुत अवतार

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। उनके सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय आदि उपदेश एक खुली किताब की तरह है। जो सत्य परंतु आम आदमी को कठिन प्रतीत होते हैं। कहने को तो वे एक राजा के परिवार में पैदा हुए थे। उनके घर-परिवार में ऐश्वर्य, धन-संपदा की कोई कमी नहीं थी। जिसका वे मनचाहा उपभोग भी कर सकते थे। परंतु युवावस्था में कदम रखते ही उन्होंने संसार की माया-मोह, सुख-ऐश्वर्य और राज्य को छोड़कर दिल दहला देने वाली यातनाओं को सहन किया और सारी सुविधाओं को त्याग कर वे नंगे पैर पैदल यात्रा करते रहे।

पिता ने दिया वर्द्धमान का नाम

जन्मोत्सव के बाद ज्योतिषों द्वारा चक्रवर्ति राजा बनने की घोषणा करने के बाद उनके कई किस्से इस बात को सच साबित करते पाए गए। उनके जन्म से पूर्व ही कुंडलपुर के वैभव और संपन्नता की ख्याति दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती गई। अत: महाराजा सिद्धार्थ ने उनका जन्म नाम 'वर्द्धमान' रख दिया। चौबीस घंटे लगने वाली दर्शनार्थियों की भीड़ ने राज-पाट की सारी मयार्दाएँ ढहा दी। इस प्रकार वर्द्धमान ने लोगों में यह संदेश प्रेरित किया कि उनके घर के द्वार सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे। वर्द्धमान ने यह सिद्ध कर दिखाया।

वीर नाम की प्राप्ति

जैसे-जैसे महावीर बड़े होते जा रहे थे वैसे-वैसे उनके गुणों में बढ़ोतरी हो रही थी। एक बार जब सुमेरू पर्वत पर देवराज इंद्र उनका जलाभिषेक कर रहे थे। तब कहीं बालक बह न जाए इस बात से भयभीत होकर इंद्रदेव ने उनका अभिषेक रुकवा दिया। इंद्र के मन की बात भाँप कर उन्होंने अपने अँगूठे के द्वारा सुमेरू पर्वत को दबा कर कंपायमान कर दिया। यह देखकर देवराज इंद्र ने उनकी शक्ति का अनुमान लगाकर उन्हें 'वीर' के नाम से संबोधित करना शुरू कर दिया।

दो मुनियों ने दिया भेंट सन्मति का नाम

बाल्यकाल में महावीर महल के आँगन में खेल रहे थे। तभी आकाशमार्ग से संजय मुनि और विजय मुनि का निकलना हुआ। दोनों इस बात की तोड़ निकालने में लगे थे कि सत्य और असत्य क्या है? उन्होंने जमीन की ओर देखा तो नीचे महल के प्राँगण में खेल रहे दिव्य शक्तियुक्त अद्भुत बालक को देखकर वे नीचे आएँ और सत्य के साक्षात दर्शन करके उनके मन की शंकाओं का समाधान हो गया है। इन दो मुनियों ने उन्हें 'सन्मति' का नाम दिया और खुद भी उन्हें उसी नाम से पुकारने लगे।

पराक्रम की चर्चा ने बनाया अतिवीर

युवावस्था में लुका-छिपी के खेल के दौरान कुछ साथियों को एक बड़ा फनधारी साँप दिखाई दिया। जिसे देखकर सभी साथी डर से काँपने लगे, कुछ वहाँ से भाग गए। लेकिन वर्द्धमान महावीर वहाँ से हिले तक नहीं। उनकी शूर-वीरता देखकर साँप उनके पास आया तो महावीर तुरंत साँप के फन पर जा बैठे। उनके वजन से घबराकर साँप बने संगमदेव ने तत्काल सुंदर देव का रूप धारण किया और उनके सामने उपस्थित हो गए। उन्होंने वर्द्धमान से कहा- स्वर्ग लोक में आपके पराक्रम की चर्चा सुनकर ही मैं आपकी परीक्षा लेने आया था। आप मुझे क्षमा करें। आप तो वीरों के भी वीर 'अतिवीर' है। इन चारों नामों को सुशोभित करने वाले महावीर स्वामी ने संसार में बढ़ती हिंसक सोच, अमानवीयता को शांत करने के लिए अहिंसा के उपदेश प्रसारित किए। उनके उपदेशों को जानने-समझने के लिए कोई विशेष प्रयास की जरूरत नहीं। उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।

ऐसे महान चौबीस तीर्थंकरों के अंतिम तीर्थंकर महावीर के जन्मदिवस प्रति वर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्मावलंबी प्रात: काल प्रभातफेरी निकालते हैं। उसके बाद भव्य जुलूस के साथ पालकी यात्रा निकालने के तत्पश्चात स्वर्ण एवं रजत कलशों से महावीर स्वामी का अभिषेक किया जाता है तथा शिखरों पर ध्वजा चढ़ाई जाती है। जैन समाज द्वारा दिन भर अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। 'जियो और जीने दो' का महान संदेश विश्व भर मैं फैलाने वाले ऐसे वर्द्धमान महावीर की जय हो। जय महावीर.। जय जिनेंद्र!

सभी इन्द्रियों को जीतने के कारण जितेन्द्रिय कहलाए स्वामी

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी माने जाते हैं. महावीर का जन्म 599 वर्ष पहले चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज श्री सिद्धार्थ और माता त्रिशिला रानी देवी के यहां हुआ था.वर्धमान महावीर का जन्म एक क्षत्रिय राजकुमार के रूप में एक राज परिवार में हुआ था. उनका जन्म प्राचीन भारत के वैशाली राज्य के गांव कुंडग्राम में हुआ था. भगवान महावीर कई नामों से जानें जाते हैं जिनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति और साहसी आदि मुख्य नाम थे. भगवान महावीर का जन्म एक साधारण बालक के रूप में हुआ था इनकी कड़ी तपस्या की वजह से ही इनका जीवन अनूठा बन गया. ऐसा माना जाता है कि महावीर स्वामी का काफी अन्तर्मुखी स्वभाव के थे.शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी लेकिन माता-पिता की इच्छा की वजह से उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ परिणय सूत्र में बंध गए और जिससे उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया. तीस साल की उम्र में उन्होंने घर-बार छोड़ दिया और कठोर तपस्या की वजह से कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया.महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थाई आधार दिया.महावीर स्वामी ने श्रद्धा एवं विश्वास की वजह से जैन धर्म की फिर से प्रतिष्ठा स्थापित की. उन्होंने 'अहिंसा परमोधर्म' के सिद्धांत और लोक कल्याण का मार्ग अपना कर विश्व को शांति का सन्देश दिया.आधुनिक काल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरी दुनिया को अहिंसा के जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए आह्वान किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम और सबसे अधिक जोर महावीर स्वामी ने ही दिया है.इस आदर्श के अनुसार, हमें किसी भी रूप, मनसा-वाचा-कर्मणा, में हिंसा नहीं करनी चाहिए.जैन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक वर्द्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए.इन्द्रियों को जीतने के कारण वे जितेन्द्रिय कहे जाते हैं.यह कठिन तप पराक्रम के समान माना गया, इसलिए वे 'महावीर' कहलाए.उन्हें वीर,अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है. भगवान महावीर ने अपने उपदेशों से इस समाज का कल्याण किया है.उनकी शिक्षाओं में ये बातें प्रमुख थीं कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो.इसके अलावा उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति तथा छह आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया.जो जैन धर्म के प्रमुख आधार माने गए.पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर ने आखिरी सांस ली.

माता त्रिशला के सोलह स्वप्न

हाथी- हाथी जिस तरह शत्रु सेना को नष्ट करता है, वैसे ही यह कर्मरूपी शत्रु का नाश करेगा।
चंद्रमा- जैसे चंद्रमा शीतलता प्रदान करता है, वैसे ही यह सबके लिए शीतलता व सुरम्यतादायक होगा।
वृषभ- वृषभ जैसे भार वहन करता है, वैसे ही यह बालक संयम का भार वहन करेगा।
केसरी सिंह- कामरूपी गज को नष्ट करने में केसरी सिंह जैसा बल दिखाएगा।
लक्ष्मी- अनंत ज्ञान दर्शन रूप लक्ष्मी को यह बालक प्राप्त करेगा।
पुष्पमाला- सुमनमाला की तरह सबको प्रिय कल्याणकारी होगा।
सूर्य- मिथ्यात्व के तम को दूर कर रत्नत्रयी का प्रकाश करेगा।
कुंभ कलश- अनेक निधियों का स्वामी होगा।
दो मछलियाँ- महाआनंद का दाता, दुखहर्ता
पद्म सरोवर- कमलाकार सिंहासन पर बैठकर देशना करेगा।
क्षीर समुद्र- सागर जैसी असीम गहराई का वह धारक होगा।
रत्नजड़ित सिंहासन- प्रजा का हितचिंतक पुत्र।
देव विमान- असंख्य देव-देवियों की पूज्यता प्राप्त करेगा।
नागों के राजा नागेंद्र का विमान- त्रिकालदर्शी पुत्र होगा।
रत्नों का ढ़ेर- **संपूर्ण आत्मगुणों का धारक होगा।**
धुआँरहित अग्नि- कर्मों का अंत करके मोक्ष निर्वाण को प्राप्त करेगा।

अहिंसा परमोधर्म

वर्तमान युग में महात्मा गाँधी ने सारी मनुष्य जाति को जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए अहवाहन किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम एवं सबसे अधिक जैन तीर्थंकर पार्श्व और महावीर ने ही दिया है। महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन , कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता हैं। यह ज्ञानार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। चोरी कभी नहीं करनी चाहिए। चोरी भी मन , वचन एवम कर्म से होती हैं अथवा किसी एक से भी करना, महापाप हैं। महावीर हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देते हैं। उनकी जयंती के दिन हमें यह प्रतिज्ञा करने चाहिए कि उनकी बताई शिक्षा में से किसी एक शिक्षा को अपनायें। इससे हमारे में नैतिक गुणों का विकास होगा, साथ ही साथ अच्छे कर्म भी होंगे। भगवान महावीर ने दुनिया को बहुत ही अच्छे संदेश दिए। उनका सबसे प्रिय संदेश था अहिंसा के मार्ग पर चलने का। भगवान महावीर के मूल मंत्र 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलकर ही हम देश, दुनिया को बचा सकते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें करुणामय एवं निस्वार्थ सादगीपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती हैं। यह त्योहार सच्चाई, अहिंसा तथा सौहार्द के प्रति सभी की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का काम करे।

जैन धर्मग्रंथ का संक्षिप्त परिचय

जैन धर्म ग्रंथ पर आधारित धर्म नहीं है। भगवान महावीर ने सिर्फ प्रवचन ही दिए। उन्होंने कोई ग्रंथ नहीं रचा, लेकिन बाद में उनके गणधरों ने, प्रमुख शिष्यों ने उनके अमृत वचन और प्रवचनों का संग्रह कर लिया। यह संग्रह मूलत: प्राकृत भाषा में है, विशेष रूप से मागधी में। भगवान महावीर से पूर्व के जैन धार्मिक साहित्य को महावीर के शिष्य गौतम ने संकलित किया था जिसे 'पूर्व' माना जाता है। इस तरह चौदह पूर्वों का उल्लेख मिलता है। जैन धर्म के सबसे पुराने आगम ग्रंथ 46 माने जाते हैं। इनका वर्गीकरण इस प्रकार किया गया है।

समस्त आगम ग्रंथो को चार भागो मैं बाँटा गया है :- 1. प्रथमानुयोग 2.करनानुयोग 3.चरर्नानुयोग 4.द्रव्यानुयोग।

12 अंगग्रंथ - 1.आचार, 2.सूत्रकृत, 3.स्थान, 4. समवाय 5.भगवती, 6.ज्ञाता धर्मकथा, 7.उपासकदशा, 8.अन्तकृतदशा, 9.अनुत्तर उपपातिकदशा, 10.प्रश्न-व्याकरण, 11.विपाक और 12.दृष्टिवाद। इनमें 11 अंग तो मिलते हैं, बारहवाँ दृष्टिवाद अंग नहीं मिलता।

12 उपांगग्रंथ - 1.औपपातिक, 2.राजप्रश्नीय, 3. जीवाभिगम, 4.प्रज्ञापना, 5.जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति 6.चंद्र प्रज्ञप्ति, 7.सूर्य प्रज्ञप्ति, 8.निरयावली या कल्पिक, 9. कल्पावतसिका, 10.पुष्पिका, 11.पुष्पचूड़ा और 12. वृष्णिदशा।

10 प्रकीर्णग्रंथ - 1.चतु :शरण, 2.संस्तार, 3.आतुर प्रत्याख्यान, 4.भक्तपरिज्ञा, 5.तण्डुल वैतालिक, 6. चंदाविथ्यय, 7.देवेन्द्रस्तव, 8.गणितविद्या, 9. महाप्रत्याख्यान 10.वीरस्तव।

6 छेदग्रंथ - 1.निशीथ, 2.महानिशीथ, 3.व्यवहार, 4. दशशतस्कंध, 5.बृहत्कल्प और 6.पञ्चकल्प।

4 मूलसूत्र - 1.उत्तराध्ययन, 2.आवश्यक, 3. दशवैकालिक और 4.पिण्डनिर्य्युक्ति।

2 स्वतंत्र ग्रंथ - 1.अनुयोग द्वार 2.नन्दी द्वार।

जैन पुराणों का परिचय : जैन परम्परा में 63 शलाका-महापुरुष माने गए हैं। पुराणों में इनकी कथाएँ तथा धर्म का वर्णन आदि है। प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश तथा अन्य देशी भाषाओं में अनेक पुराणों की रचना हुई है। दोनों सम्प्रदायों का पुराण-साहित्य विपुल परिमाण में उपलब्ध है। इनमें भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण सामग्री मिलती है।

मुख्य पुराण हैं - जिनसेन का 'आदिपुराण' और जिनसेन (द्वि.) का 'अरिष्टनेमि' (हरिवंश) पुराण, रविषेण का 'पद्मपुराण' और गुणभद्र का 'उत्तरपुराण'। प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं में भी ये पुराण उपलब्ध हैं। भारत की संस्कृति, परम्परा, दार्शनिक विचार, भाषा, शैली आदि की दृष्टि से ये पुराण बहुत महत्वपूर्ण हैं।

अन्य ग्रंथ - षट्खण्डागम, धवला टीका, महाधवला टीका, कसायपाहुड, जयधवला टीका, समयसार, योगसार प्रवचनसार, पञ्चास्तिकायसार, बारसाणुवेक्खा, आप्तमीमांसा, अष्टशती टीका, अष्टसहस्री टीका, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, तत्त्वार्थसूत्र, तत्त्वार्थराजवार्तिक टीका, तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक टीका, समाधितन्त्र, इष्टोपदेश, भगवती आराधना, मूलाचार, गोम्मटसार, द्रव्यसग्रह, अकलकग्रन्थत्रयी, लघीयस्त्रयी, न्यायकुमुदचन्द्र टीका, प्रमाणग्रह, न्यायविनिश्चयविवरण, सिद्धिविनिश्चयविवरण, परीक्षामुख, प्रमेयकमलमार्तण्ड टीका, पुरुषार्थसिद्ध्युपाय भद्रबाहु संहिता आदि।

सैमसंग ने भारत में आधुनिक परफॉर्मेंस और AI -संचालित प्रोडक्टिवटी के साथ लॉन्च किया गैलेक्सी बुक6

गुरुग्राम। सैमसंग, भारत के सबसे बड़ेकंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने गैलेक्सी बुक6 सीरीज़ को लॉन्च कर दियाहै। इसकी शुरुआती कीमत 1,27,990 रुपये है। सैमसंग की सबसे एडवांस्डगैलेक्सी बुक सीरीज़ AI–पावर्ड प्रोडक्टिविटी को सटीक इंजीनियरिंग औरसंतुलित, स्लिम प्रोफाइल के जरिए नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

बेजोड़ परफॉर्मेंस– गैलेक्सी बुक6 सीरीज़ इंटेल0 कोर™ अल्ट्रा सीरीज 3 प्रोसेसर्स द्वारासंचालित है, जो पिछले जेनरेशन की तुलना में 60% से ज्यादा तेज सीपीयू परफॉर्मेंस देता है। इससे तेज प्रोसेसिंग, सहज मल्टीटास्किंग और रिस्पॉन्सिव AI अनुभव मिलता है। इंटीग्रेटेड एनपीयू 50 TOPS तक की क्षमता प्रदानकरता है, जो इमेज क्लीनअप, तुरंत अनुवाद और इंटेलिजेंट सर्च जैसी AI–संचालित टास्क को क्लाउड पर निर्भर हुए बिना तुरंत पूरा करता है। गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा इस अनुभव को और बेहतर बनाता है — इसमें लेटेस्ट NVIDIA® GeForce RTX™ 5070 लैपटॉप जीपीयू दिया गया है, जोहाई–स्पीड AI इमेज जेनरेशन, स्मूथ वीडियो प्लेबैक और एडिटिंग तथाशानदार गेमिंग के लिए बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है।

परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए, गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा और प्रो में बड़ा ऑप्टिमाइज्ड वेपर चैंबर लगा है जो गर्मी को बेहतर तरीके से बांटता है। एन्हांस्ड फिन्स सतह क्षेत्र को बढ़ाते हैं, जिससे पिछले जेनरेशन की तुलना मेंकूलिंग एफिशिएंसी 35% बेहतर हो गई है। गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा मेंडुअल–पाथ आउटलेट फैन और हीटसिंक भी है, जो गर्मी को प्रभावी ढंग सेसोखता और बाहर निकालता है। गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा और प्रो सीरीज़ मेंसैमसंग की सबसे लंबे समय तक चलने वाली गैलेक्सी बुक बैटरी दी गई है, जो 30 घंटे तक वीडियो प्लेबैक देती है। साथ ही सुपर–फास्ट चार्जिंग सिर्फ 30 मिनट में बैटरी को 63% तक रिचार्ज कर देती है।

अपग्रेडेड डिस्प्ले– गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा और प्रो में डायनैमिक एमोलेड 2X टचस्क्रीन दिया गया है, जो एचडीआर में 1000 निट्स तक पीक ब्राइटनेस और एसडीआर में 500 निट्स पीक ब्राइटनेस प्रदान करता है, जिससे बेहद साफ और जीवंतविज़ुअल्स मिलते हैं। विज़न बूस्टर टेक्नोलॉजी आसपास की रोशनी काविश्लेषण करके डिस्प्ले को आउटडोर वातावरण के अनुसार अनुकूलित करदेती है, जिससे बेहतर विज़िबिलिटी और रंग सटीकता बनी रहती है। इसकाट्रू ब्राइट 1300 सर्टिफिकेशन वास्तविक ब्राइटनेस लेवल सुनिश्चित करता है,

कलर्स का 'डॉ. आरंभि' X 'मन्नत हर खुशी पाने की' महासंगम: एक सशक्त महिला गठबंधन का प्रदर्शन

कलर्स पर एक धमाकेदार महासंगम लेकर आ रहे हैं, जिसमें भरपूर होगा स्पेक्टेकल, इमोशन और ज़बरदस्त टकराव। इस खास क्रॉसओवर में दिखेगा कि जब एक महिला दूसरी महिला का साथ देती है, तो कहानी में कैसे बड़ा मोड़ आता है। इस एपिसोड में आरंभि (ऐश्वर्या खरे) अपनी दुनिया से आगे बढ़कर मानत (आयेशा सिंह) की उथल–पुथल भरी जिंदगी में कदम रखती हैं जहां महत्वाकांक्षा की कीमत चुकानी पड़ती है, ताकत कई रूपों में छिपी होती है और जीने के लिए हिम्मत चाहिए। सहजता और सहानुभूति से जुड़ी ये दोनों महिलाएं सिर्फ जवाबों के लिए नहीं, बल्कि अपने विश्वासों के लिए लड़ती हैं। सलूजा मैन्शन में विक्रांत (अदनान खान) और याशिका (लीना जुमानी) का भव्य संगीत समारोह शुरू होता है। जो रात संगीत और जश्न से सजी थी, वह जल्द ही भावनाओं के प्रेशर कुकर में बदल जाती है। मानत एक ही मकसद लेकर आती है अर्जू की असली पहचान उजागर करना। वह साहसिक कदम उठाते हुए उसका ड्रिंक स्पाइक करती है, जो या तो उसका राज खोल देगा या पूरी तरह उल्टा पड़ सकता है। जैसे–जैसे गुस्सा बढ़ता है और रिश्तों की वफादारी टूटने लगती है, आरंभि सामने आती है और मानत का मज़बूती से साथ देती है। वह हर कदम पर मानत को सपोर्ट करती है और सच को सामने लाने में मदद करती है। आरंभि के साथ होने से दांव और ऊंचे हो जाते हैं और टकराव और भी तीव्र। लेकिन जब हालात चरम पर पहुंचते हैं, क्या अर्जू को आखिरकार अपनी असली पहचान बतानी पड़ेगी? आयेशा सिंह, जो मन्नत हर खुशी पाने की में मानत का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं, मानत की यात्रा हमेशा से दृढ़ता की रही है ऐसे सपने देखने की, जिन्हें समाज बार–बार सीमित करने की कोशिश करता है।

इस्राइली राडार केंद्र और हवाई अड्डे पर ईरान का हमला; एक और फलस्तीनी कैदी की मौत

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया का युद्धक्षेत्र दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से क्षेत्र में आग का तूफान है। दूसरी ओर ईरान ने भी खाड़ी देशों मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल में भयंकर और सटीक हमला कर चारों तरफ धुंआ-धुंआ कर रखा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 30वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल काबू से बाहर है।

तेहरान के उत्तर भाग में हाल ही में कई बड़े धमाके सुने गए। पहाड़ी इलाके से धुआं उठता देखा गया है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं कि किस लक्ष्य को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, कराज शहर में भी कई धमाके सुने गए। यह क्षेत्र सैन्य प्रतिष्ठानों के लिए जाना जाता है, लेकिन कुछ नागरिक स्थल भी प्रभावित हुए होने की आशंका है। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी वायु सुरक्षा बल मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे का सक्रिय रूप से मुकाबला

कर रही हैं। देशभर में जो आवाजें सुनाई दे रही हैं, वे सक्रिय सुरक्षा ऑपरेशन की कार्रवाई हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्राइल ने ईरानी मिसाइल को सफलतापूर्वक रोकने की खबर सामने आई है। चैनल 12 के अनुसार, इजरायली सैन्य बलों ने मिसाइल को इंटरसेप्ट किया, जिसके कारण दक्षिण इस्राइल के नेगेव और डेड सी क्षेत्रों में एयर रैप्ट की चेतावनी बज उठी। ईरान ने इस्राइली राडार केंद्र और हवाई अड्डे को हमले में निशाना बनाया ईरानी प्रेस टीवी ने शनिवार को इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ईरानी सेना और तेहरान के मध्यपूर्वी सहयोगियों द्वारा किए गए हमलों के विभिन्न ठिकानों की जानकारी दी। टीवी ने बताया कि ढ्ढक्रत्रष्ट ने ÷लॉन्ग-रेंज और मीडियम-रेंज ठोस और तरल ईंधन वाले सिस्टम और हमलावर ड्रोन का इस्तेमाल करके इस्राइल और अन्य स्थानों में इस्राइली-अमेरिकी विरोधी उद्योगों को निशाना बनाया।÷ ढ्ढक्रत्रष्ट ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी रूक्त्र9 ड्रोन को मार गिराया और एक स्न-16 लड़ाकू विमान को निशाना बनाया।

इस्राइली हिरासत में एक और फलस्तीनी कैदी की मौत: फलस्तीनी कैदियों और रिहा किए गए कैदियों के मामलों की संस्था और फलस्तीनी कैदी समाज ने बताया कि 8 जनवरी को गिरफ्तार किए गए मारवान फाथी हरज़ल्लाह की इस्राइल के मेगिडो जेल में मौत हो गई। हरज़ल्लाह उन 100 से अधिक फलस्तीनी कैदियों में शामिल हैं, जो अक्तूबर 2024 से इस्राइली जेलों और हिरासत केंद्रों में मारे गए हैं।

हमलों से टूटी ईरान की कमर

रजा पहलवी ने ट्रंप को कहा शुक्रिया, बोले- होगा सत्ता का परिवर्तन

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने

कहा है कि ईरान के मौजूदा शासन को पूरी तरह से खत्म करना होगा। उनके अनुसार, सत्ता का यह बदलाव बहुत ही व्यवस्थित तरीके से होगा। पहलवी ने यह बात अमेरिका के टेक्सास में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस के दौरान कही है। पहलवी ने ईरान के शासन को कमजोर करने के लिए अमेरिकी सैन्य अभियानों की जमकर तारीफ की। उन्होंने मिडनाइट हैमर और एपिक फ्यूरी जैसे अभियानों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों की वजह से ईरान की सत्ता पर काबिज लोग बहुत कमजोर हो गए हैं। पहलवी के मुताबिक, इन सैन्य कार्रवाइयों में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके कई करीबी साथी मारे गए हैं। इसके अलावा, ईरान की 80 प्रतिशत से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार और परमाणु ठिकाने भी नष्ट हो गए हैं। उन्होंने इन कार्रवाइयों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सेना का आभार जताया। पहलवी ने कहा कि ट्रंप के मजबूत इरादों और अमेरिकी सैनिकों की बहादुरी ने लाखों ईरानियों को एक मौका दिया है। अब वे दशकों से चले आ रहे दमन और अस्थिरता को खत्म करने के लिए लड़ सकते हैं। पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर मौजूदा शासन का थोड़ा भी हिस्सा बचा रह गया, तो खतरा कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग 47 साल से अराजकता फैला रहे हैं, उन पर शांति या सुधार के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, आतंकवादी कभी शांति नहीं ला सकते। अगर उन्हें सत्ता में रहने दिया गया, तो वे केवल और ज्यादा तबाही और अस्थिरता ही लाएंगे। भविष्य की योजना के बारे में बताते हुए पहलवी ने कहा कि वह देश के भीतर और बाहर रहने वाले ईरानियों की मांग पर लोकतांत्रिक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उनकी टीम ने ईरान प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट नाम से एक विस्तृत योजना तैयार की है। यह योजना शासन गिरने के बाद के पहले 100 दिनों और देश के लंबे समय तक पुनर्निर्माण के लिए एक रोडमैप की तरह काम करेगी। वह अपना समर्थन जारी रखे। उन्होंने वाशिंगटन से कहा कि वे इस गिरते हुए शासन को कोई जीवनदान न दें। अमेरिका को चाहिए कि वह ईरानी लोगों के लिए रास्ता साफ करे ताकि वे अपना काम पूरा कर सकें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव बहुत ज्यादा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्रीय युद्ध का खतरा बना हुआ है।

हमारी कार्रवाई से और तेज होगा आईडीएफ का पतन

सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल को ईरान की खुली धमकी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जंग का दायरा खतरनाक स्तर तक फैल चुका है। अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बीच ईरान भी आक्रामक रुख अपनाए हुए है। ऐसे में बड़ा सवाल है, क्या यह संघर्ष और भयानक होने वाला है? क्या वाकई में इस्राइल सेना की कमी से जुझ रहा है? और क्या ईरान की रणनीति हालात को पूरी तरह बदल सकती है? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयानक होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से क्षेत्र में आग का तूफान है। दूसरी ओर ईरान ने भी खाड़ी देशों मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइल में भयंकर और सटीक हमला कर चारों तरफ धुंआ-धुंआ कर रखा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 30वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल काबू से बाहर है। इसी बीच अब ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर

गालिबाफ ने इस्राइल को कड़ी चेतावनी देते हुए बड़ा बयान दिया है। शनिवार को गालिबाफ ने कहा कि इस्राइल के खिलाफ ईरान की जवाबी कार्रवाई उसकी सेना के पतन को और तेज कर देगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि इस्राइल अपनी सेना की आंतरिक कमजोरियों को छिपाने के लिए तनाव बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के औद्योगिक ठिकानों पर हमले करके इस्राइल अपने लोगों और सरकार का भरोसा वापस लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ऐसा करना उसके लिए उल्टा साबित होगा।

अपने बयान में गालिबाफ ने इस्राइल के सेना के प्रमुख एयाल जमीर के हालिया बयान का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया केवल जवाबी नहीं होगी, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत होगी, जो इस्राइल की रक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को निशाना बनाएगी। बता दें कि गालिबाफ का यह बयान इस्राइल की सेना के प्रमुख एयाल जमीर की हालिया चेतावनी के बाद आया है। इस्राइली सरकार को बताया कि सेना पर भारी दबाव है और अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो इस्राइली सेना अंदर से टूट सकती है।

इतना ही नहीं जारी संघर्ष के बीच इस्राइली सेना प्रमुख ने एयाल जमीर ने सरकार से नए भर्ती कानून, रिजर्व ड्यूटी से जुड़े नियम और अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने की मांग की है। गौरतलब है कि 2023 अक्तूबर के बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के कारण इस्राइल की सेना पर लगातार दबाव बढ़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सेना इस समय करीब 12,000 सैनिकों की कमी से जूझ रही है। दूसरी ओर करीब 80000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा सेना में भर्ती के योग्य हैं।

तल्खी बढ़ने की आशंका के बीच करीब आए भारत-बांग्लादेश; खालिदा जिया से अलग तारिक रहमान का रुख

ढाका, एजेंसी। भारत-बांग्लादेश के संबंधों में सुधार दिख रहा है। नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने एक तरफ जहां जनसंहार दिवस पर पाकिस्तान को लताड़ा है, वहीं हालिया विवादों को खत्म करते हुए अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर लगी रोक को हटा दिया है। तारिक रहमान का ये रुख पूरी तरह उनकी मां खालिदा जिया के उलट हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के 18 महीने के कार्यकाल में भारत से रिश्तों में आई तल्खी इसी साल फरवरी महीने में आम चुनाव के नतीजे आने के बाद और बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। कारण था पाकिस्तान का करीबी और भारत से दूरी बनाए रखने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की जीत। हालांकि पूर्वानुमानों और आशंकाओं के उलट भारत और बांग्लादेश के बीच दूरी की जगह करीबी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की जनसंहार दिवस पर पाकिस्तान को खरी-खरी, आईपीएल प्रसारण पर लगा प्रतिबंध हटना और विदेश मंत्री खलील उर रहमान का भारत दौरा तय होना बता रहा है कि बांग्लादेश अंतरिम सरकार के दौरान ठंडे पड़े द्विपक्षीय रिश्तों में गर्माहट लाना चाहता है। खासकर पीएम तारिक का 1971 में पाकिस्तानी सेना के कत्लेआम पर अपनी ही पार्टी से अलग रुख अपनाना चर्चा का विषय बना हुआ है। गौरतलब है कि रहमान ने इस संगठित हत्याकांड का प्रतिरोध नहीं करने पर तत्कालीन

पाकिस्तान सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया। इतना ही नहीं नरसंहार दिवस के जरिये वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य और महत्व समझाने पर जोर भी दिया। दरअसल सत्ता में आने के बाद जब शेख हसीना सरकार ने जनसंहार की जांच शुरू की तब बीएनपी ने इसे राजनीति प्रेरित बताते हुए इसका विरोध किया था। तब बीएनपी की कमान वर्तमान पीएम तारिक की दिवंगत मां और पूर्व पीएम खालिदा जिया के हाथों में थी। इतना ही नहीं 1991 से 1996, 2001 से 2006 तक पीएम रहने के दौरान खालिदा ने भारत पर पाकिस्तान को तरजीह दी। बांग्लादेश की जमीन के दुरुपयोग की भारत की चिंता को भी दूर करने की कोशिश की गई है। माह की शुरुआत में बांग्लादेश डायरेक्टर जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस मेजर जनरल राशिद चौधरी की रॉ प्रमुख पराग जैन और अपने समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल आर. एस. रमन के साथ अहम बैठक हुई थी।

फिलहाल संबंधों में सुधार की इस कड़ी में सबकी निगाहें 7 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलील उर रहमान पर है। इस दौरे से पूर्व दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर की तल्खी खत्म हो चुकी है। वीजा सेवाएं शुरू हो गई हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान भारत ने बांग्लादेश को ऊर्जा संकट से निपटने में मदद की है। ऐसे में रहमान के भारत दौरे में दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सहित कई मामले में आगे बढ़ने पर सहमति बन सकती है।

दरअसल बांग्लादेश के पास भारत से अपने ऐतिहासिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंधों का विकल्प नहीं है। अंतरिम सरकार के दौरान भारत विरोधी गतिविधि की कीमत बांग्लादेश कई मोर्चे पर भुगत चुका है। फिर दोनों देशों के बीच गंगा नदी संधि की मियाद भी इस साल दिसंबर में खत्म हो रही है। ऐसे में संकेत है कि बांग्लादेश शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग से पहले अपने आर्थिक हित को तरजीह देना चाहता है।

● अमेरिका में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा

युद्ध में सब कुछ हो रहा तबाह: तेहरान यूनिवर्सिटी पर हमले के बाद तनाव

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका और इस्राइल से जुड़े विश्वविद्यालयों को लेकर बड़ा और सख्त बयान जारी किया है। आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में स्थित अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालय अब वैध निशाना बन सकते हैं। ईरानी सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल ने हाल के दिनों में ईरान के शैक्षणिक संस्थानों और सांस्कृतिक ढांचे को निशाना बनाया है। अपने बयान में दावा किया कि तेहरान स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर बमबारी की गई। संगठन ने इसे बार-बार किया जा रहा हमला बताते हुए अमेरिकी-इस्राइली ताकतों पर गंभीर आरोप लगाए। बयान में कहा गया कि यदि यह हमले नहीं रुके, तो पश्चिम एशिया में स्थित अमेरिकी और इस्राइली विश्वविद्यालयों को निशाना बनाया जा सकता है। आईआरजीसी ने इन विश्वविद्यालयों के छात्रों, शिक्षकों

और आसपास रहने वाले लोगों को भी चेतावनी दी है। संगठन ने सलाह दी है कि लोग इन परिसरों से कम से कम एक किलोमीटर की दूरी बनाए रखें, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही आईआरजीसी ने अमेरिका से मांग की है कि वह 30 मार्च (तेहरान समय) तक ईरानी विश्वविद्यालयों पर हमलों की निंदा करे, अन्यथा जवाबी कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा और संस्कृति पर हमला ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने भी अमेरिका और इस्राइल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश जानबूझकर ईरान के वैज्ञानिक ढांचे और सांस्कृतिक विरासत को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान की यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले 30 दिनों में कई शैक्षणिक और शोध संस्थानों पर हमले हुए हैं। खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियान का असली उद्देश्य उसके वैज्ञानिक और बौद्धिक ढांचे को कमजोर करना है। वहीं, परमाणु कार्यक्रम को लेकर दिए जा रहे तर्कों को उसने झूठा बहाना करार दिया।

नरक में स्वागत: अमेरिकी सैनिकों की तैनाती पर ईरानी मीडिया की चेतावनी; लिखा- जो भी ईरान आएगा ताबूत में लौटेगा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य बलों की बढ़ती तैनाती के बीच, ईरानी अंग्रेजी अखबार तेहरान टाइम्स ने वॉशिंगटन को चेतावनी भरा संदेश दिया है। अखबार ने शनिवार के अंक के पहले पृष्ठ पर बड़े अक्षरों में लिखा वेलकम टू हेल और चेताया कि जो भी अमेरिकी सैनिक इरानी क्षेत्र में प्रवेश करेंगे, वे सिर्फ ताबूत में लौटेंगे। अखबार की चेतावनी के ठीक समय पर लगभग 3,500 अमेरिकी मरीन सैनिक पश्चिम एशिया में अमेरिका के सेंट्रल कमांड क्षेत्र में तैनात किए गए। मरीन सैनिक त्रिपोली के जरिए जापान से रवाना किए गए, जो अमेरिका के सबसे बड़े अम्फीबियस असॉल्ट जहाजों में से एक है। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तैनाती खर्ग द्वीप को कब्जे में लेने के लिए अमेरिकी ऑपरेशन की तैयारी हो सकती है। यह द्वीप रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसी महीने पहले भी ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत इसका निशाना बनाया गया था। अमेरिकी बलों ने अब तक 11,000 से अधिक लड़ाकू उड़ानों को

अंजाम दिया है और 150 से अधिक ईरानी जहाजों को क्षतिग्रस्त या नष्ट किया गया है। तेहरान टाइम्स की यह चेतावनी अमेरिकी सैनिकों और वॉशिंगटन प्रशासन के लिए सीधे संदेश की तरह है। अखबार ने स्पष्ट किया कि इरानी क्षेत्र में कोई भी अमेरिकी हस्तक्षेप भारी नुकसान का सामना करेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस चेतावनी और सैनिकों की बढ़ती तैनाती से पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है।,

ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला

दो कर्मचारी घायल; आईआरजीसी ने ली जिम्मेदारी

मनामा, एजेंसी। बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है। कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में,श्व के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन प्लांट को टारगेट किया गया। आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित अमेरिकी-जायोनीहमलों के जवाब में की गई है।

चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं, जिससे हालात और संवेदनशील हो गए हैं।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर की योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा

शत-प्रतिशत ई-फाइल का संचालन सुनिश्चित करें: कलेक्टर

मुंगेली (समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर जिले की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ई-एचआरएमएस में शत-प्रतिशत प्रविष्टि तथा सभी फाइलों का ई-फाइल के माध्यम से ही निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने प्रोटोकॉल के तहत ऑर्डर ऑफ प्रेसीडेंस का पूर्ण पालन करते हुए कार्यक्रमों से पूर्व औपचारिक निमंत्रण एवं संबंधित को इसकी पूर्व सूचना देने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राशि जारी होने के बाद भी कार्य प्रारंभ नहीं करने पर आरईएस के ईई संध्या को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही मोतिमपुर, जरहागांव एवं सेतगंगा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कार्यों की धीमी प्रगति एवं समुचित जानकारी नहीं देने पर एसडीएम, सीएमएचओ एवं डीपीएम को नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री की सभी घोषणाओं के कार्य 06 माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देशित किया। जल संचयन एवं जनभागीदारी के तहत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने गर्मी से पूर्व पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने, टंकियों के सुधार एवं रेड जोन गांवों में प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम श्री योजना के तहत चयनित स्कूलों में निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। अग्निवीर भर्ती के लिए पात्र युवाओं का अधिकतम पंजीयन सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने डिजिटल किसान किताब एवं राजस्व मामलों में त्वरित प्रगति लाने के निर्देश भी दिए। पीएम आदर्श ग्राम योजना एवं पीएम जनमन योजना के तहत लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा आवास योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाने निर्देशित किया। कलेक्टर ने आधार पंजीयन एवं एमबीयू की प्रगति की समीक्षा करते हुए 15 अप्रैल तक लक्ष्य प्राप्त करने वाले विभागों को पुरस्कृत करने की बात कही। साथ ही आधार पंजीयन में शिक्षा विभाग के बेहतर प्रदर्शन की सराहना की।

खबर-खास

जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव बने ओमप्रकाश साहू

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के अनुमोदन से जिला अध्यक्ष विपिन यादव द्वारा प्रस्तावित जिला कार्यकारिणी को प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू द्वारा पदाधिकारी की सूची जारी की गई है। कार्यकारिणी में संगठनात्मक संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसमें कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है और खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। नई कार्यकारिणी सूची में कई अनुभवी और युवा चेहरों को भी मौका दिया गया है, जिससे संगठन को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ओमप्रकाश साहू जो पूर्व में जनपद सभापति रह चुके हैं और वह विगत कई वर्षों से कांग्रेस पार्टी में सक्रिय हैं, इस नियुक्ति पर उनके सक्रिय संगठनात्मक कार्य और पार्टी के प्रति समर्पण को दिखाती है कार्यकर्ताओं के बीच भी उनकी मजबूत पकड़ के कारण उन्हें सचिव जैसे पद की जिम्मेदारी मिली है।

इस मौके पर ओमप्रकाश साहू ने प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, सह-प्रभारी एस.ए. संपत कुमार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत तथा जिला अध्यक्ष विपिन यादव का आभार प्रकट किया है।

नव नियुक्त जिला सचिव ने कहा संगठन को मजबूत करने व पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे और युवाओं को साथ लेकर पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहेंगे। जिले की नई कार्यकारिणी की घोषणा के पश्चात कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और संगठन को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने एवं आगामी सभी चुनाव में जोर-शोर से उतरने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

गर्मियों में लू-तापघात से बचाव को लेकर निर्देश जारी, डिप्टी कलेक्टर नेहा भेड़िया नोडल अधिकारी नियुक्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए भारत सरकार, गृह मंत्रालय तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा राज्य में लू एवं तापघात से बचाव के लिए दिशा-निर्देश जारी किया गया है। कलेक्टर बीएस उइके ने बढ़ती गर्मी और संभावित लू की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने लू-तापघात से बचाव एवं आवश्यक तैयारी के लिए डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा भेड़िया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।उन्होंने कहा कि तहसील एवं ग्राम पंचायत स्तर पर शिक्षक,जनपद पंचायत के अधिकारी,स्वास्थ्य कार्यकर्ता,पंचायत सचिव और कोटवार जनसमुदाय को लू-तापघात के लक्षण, बचाव के उपाय और प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूक करें।इसके साथ ही प्रचार-प्रसार कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

एण्ड टू एण्ड कार्यवाही करते हुए पूर्व में अवैध गांजा बिक्री के प्रकरण में संलिप्त आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के वरिष्ठ अधिकारियो के द्वारा अवैध गांजा,हीरा,शराब के प्रकरणों में केवल घटना स्थल पर पकड़े गए आरोपी ही नही,बल्कि उनके संपर्क सूत्र, सप्लायर,डिस्ट्रीब्यूटर,और मुख्य सरगना तक को चिन्हित कर कानूनी कार्यवाही के संबंध में निर्देशित किया गया था।जिसके परिपालन में थाना फिंगेश्वर के अपराध क्रमांक 31/2026 धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट में पूर्व मे गिरफ्तार आरोपी राकेश ठाकुर,संजय उके परमानंद साहू को अवैध मादक पदार्थ गांजा का तस्करी करते पाये जाने से 3 फरवरी 2026 को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था।

पूर्व अवैध गांजा के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों से पुछताछ के दौरान बताया था कि उक्त गांजा को भिलाई निवासी जगदीप उर्फजगदीष राउलकर को बिक्री करने के लिए ले जा रहे थे। आरोपी के पतासाजी एवं गिरफ्तारी के लिए मुखबीर सक्रिय किया गया था।प्रकरण में पतासाजी उपरांत अवैध गांजा को शहर व आसपास के क्षेत्रों में बेचने वाला आरोपी जगदीप उर्फजगदीष राउलकर पिता देवदास राउलकर उम्र 46 साल साकिन बैकुठधाम जेपी नगर वार्ड नम्बर 31 भिलाई थाना छावनी जिला दुर्ग को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

गरियाबंद पुलिस कप्तान के द्वारा बताया गया कि अवैध मामले में संलिप्त लोगों की अंतिम सरगना तक

निधनः दयालाल ध्रुव

गरियाबंद। दयालाल ध्रुव ग्राम कसरबाय निवासी ग्राम पंचायत हरदी के 4 बार के पूर्व सरपंच का 28 मार्च 2026 के रात्रि 8 दिन शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया है जिनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार 29 मार्च 2026 दिन रविवार को सुबह 10 बजे अंतिम दर्शन करके अंतिम संस्कार किया गया।दयालाल ग्राम में अपने सरपंची कार्यकाल में ग्राम के विकास के लिए कई कार्य किए जिससे उनकी काफी लोकप्रियता रही,उनके अंतिमसंस्कार में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

सहायक शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी,यही भविष्य में प्रमोशन का बनेगा आधार

आपत्तियां दर्ज कराने का रहेगा मौका 11 अप्रैल तक

जिला शिक्षाअधिकारियों के द्वारा भेजे गए डाटा के अनुसार तैयार हुई सूची

जगदलपुर(समय दर्शन)। लंबे समय बाद आखिर अध्यापकों के लिए सुखद खबर आई है। संयुक्त संचालक एचआर सोम द्वारा सहायक शिक्षक एलबी (ई एवं टी संवर्ग) की प्रतीक्षित अनंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। एक अप्रैल 2025 की स्थिति के आधार पर तैयार की गई इस संभाग स्तरीय सूची में स्नातक, स्नातकोत्तर और प्रशिक्षित श्रेणी के शिक्षकों को शामिल किया गया है। विभाग के अनुसार समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों से प्राप्त डेटा के संकलन के पश्चात यह सूची तैयार की गई है, जो अब शिक्षकों के अवलोकन के लिए उपलब्ध है।

इस प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने सहायक शिक्षकों को अपनी आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर भी प्रदान किया है। संबंधित शिक्षक सूची में अंकित किसी भी त्रुटि या विसंगति के विरुद्ध 11 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक विकासखंड अथवा जिला स्तर पर अपनी दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा बीत जाने के पश्चात किसी भी प्रकार के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे, इसलिए शिक्षकों को समय रहते विवरण की जांच करने की सलाह दी गई है। दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूर्ण होने के तुरंत बाद संभाग के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्राप्त आवेदनों का सूक्ष्मता से परीक्षण एवं निराकरण करें। इसके पश्चात संशोधित डेटा के साथ अंतिम सूची तैयार कर 13 अप्रैल 2025 तक अनिवार्य रूप से संयुक्त संचालक कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी। यह वरिष्ठता सूची भविष्य में होने वाली पदोन्नति और अन्य विभागीय कार्यों के लिए मुख्य आधार बनेगी।

लाखों की चोरी करने वाले शातिर चोर पुलिस की गिरफ्त मे

महासमुन्द एस पी प्रभात कुमार के निर्देशन व थाना प्रभारी शरद दुबे की कुशल रणनीति से 24 घंटे के अंदर, चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

चोरी हुआ माल मशरूका शत प्रतिशत बरामद

बसना (समय दर्शन)। सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी करने वाले शातिर चोर को बसना पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए न केवल आरोपी को पकड़ा बल्कि चोरी गया शत.श-प्रतिशत मशरुका भी बरामद कर लिया है।प्रकरण का विवरण इस प्रकार है कि, दिनांक 28.03.2026 को प्रार्थी घासीराम पटेल पिता स्व. जगतराम पटेल उम्र- 67 साल सिरको बांधपारा थाना बसना जिला महासमुंद ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि, दिनांक- 27/03/26 को सुबह करीब 10 बजे पदमपुर उडिसा चला गया तथा इसकी पत्नि ग्राम केशरीपुर चली गयी थी घर में कोई नहीं था। जब वापस इसकी पत्नि घर आई तो देखा कि बाहर का दरवाजा अंदर से लगा हुआ था जब पीछे के दरवाजा से जाकर देखी तो पीछे का दरवाजा टूटा हुआ था। घर अंदर आकर देखी तो कमरा में सामान बिखरा हुआ, आलमारी टूटा हुआ था। आलमारी के अंदर में रखें सोना चांदी के जेवरात एवं कपडा के बैग रखें नगदी रकम नहीं था। आसपास देखने पर नहीं मिला संभवत कोई अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है। घर के लोहे के आलमारी में रखें पुरानी इस्तेमाली सोने का माला एक नग, कर्णफुल दो नग वजन 25 ग्राम कीमती लगभग 50,000 रूपये, पुरानी इस्तेमाली दो नग चांदी पायल, बिछिया दो नग, अंगूठी दो नग वजन 40 ग्राम कीमती लगभग 30,000 रूपये नगदी रकम 5,15000 रूपये जुमला 5,95,000 रूपये को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 305, 331(3)बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए पृथक पृथक टीम गठित कर , मुखबिरों की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध को पकड़ा गया। मनोवैज्ञानिक तरीके से पुछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।आरोपी की निशानदेही के आधार पर चोरी गए माल को बरामद किया गया है।

सरायपाली मे कक्षा 5वीं और 8वीं की केंद्रीयकृत वार्षिक परीक्षा का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ

सरायपाली(समय दर्शन)। विकासखंड स्तर पर कक्षा 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत वार्षिक परीक्षा 2025-26 के मूल्यांकन कार्य की शुरुआत हो गई है। कक्षा 5वीं का मूल्यांकन कार्य 28 मार्च 2026 से प्रारंभ हुआ, जबकि कक्षा 8वीं का मूल्यांकन कार्य 30 मार्च 2026 से शुरू हुआ है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का संकल्प लिया।

सरायपाली में शिक्षकों की ड्यूटी लगाकर केंद्रीयकृत वार्षिक परीक्षा निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के निर्देश के साथ वार्षिक परीक्षा का मूल्यांकन केंद्र में विषयवार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

जो निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर रहे हैं। मूल्यांकनकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे विद्यार्थियों के उत्तरों का मूल्यांकन पूरी सावधानी और ईमानदारी से करें, ताकि छात्रों को उनके वास्तविक प्रदर्शन के अनुसार अंक मिल सकें।

मूल्यांकन कार्य विकासखंड शिक्षा अधिकारी टी.सी. पटेल, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी.एन. दीवान तथा बीआरसी देवानंद नायक के निर्देशन में किया जा रहा है। कक्षा 8वीं के लिए अंग्रेजी विषय के मूल्यांकन प्रभारी मनोहर मेहेर, गणित के मकरध्वज साहू और हिंदी के देवेंद्र भोई बनाए गए हैं। इसी प्रकार कक्षा 5वीं वार्षिक परीक्षा के लिए हिंदी विषय में खिरोद जेरी (शा.प्रा.शाला मुंडपहार) और मुकेश प्रधान (शा.प्रा.शाला भुरसापखली), अंग्रेजी में किशन लाल चौधरी (शा.प्रा.शाला बाराडोली) और लोकेश पात्र (शा.प्रा.शाला खम्हारपाली), गणित में दयासागर नायक (शा.प्रा.शाला दर्राभाँठा) और सुरेश कर (शा.प्रा.शाला हरडासरार) तथा पर्यावरण विषय में दुकालू नायक (शा.प्रा.शाला कस्तूराबहाल) और राजेश प्रधान (शा.प्रा.शाला बैतारी) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों ने मूल्यांकन कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षा परिणाम समय पर घोषित किया जा सके। मूल्यांकन केंद्र में शिक्षकों के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। शिक्षा विभाग के मीडिया प्रभारी दुर्वादल दीप ने बताया कि सभी शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग से मूल्यांकन कार्य को सुचारू रूप से संपन्न किया जा रहा है।

पिथौरा के मुरईधोवा नाले के पास युवक-युवती ने पेड़ पर फांसी लगाकर दी जान

इलाके में सनसनी, प्रेम प्रसंग का खौफनाक अंत सूचना मिलते ही जांच में जुटी पुलिस

पिथौरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के महासमुद जिले के पिथौरा थाना क्षेत्र से एक बार फिर दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। पिथौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक प्रेमी जोड़े ने पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है।

हैरान करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ ही घंटों के भीतर महासमुंद जिले में युगल द्वारा आत्महत्या का यह दूसरा बड़ा मामला है, जिससे पूरे क्षेत्र में मातम और दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना पिथौरा थाना अंतर्गत मुराई धोवा नाला के पास की है। यहाँ एक पलसा के पेड़ पर युवक और युवती की लाश लटकती पाई गई। मृतकों की पहचान धर्मपुरा गांव के निवासी के रूप में हुई है। सुबह जब स्थानीय ग्रामीणों ने नाले के पास शवों को देखा, तो इसकी सूचना पुलिस को तुरंत दी गयी। सूचना मिलते ही पिथौरा थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को पेड़ से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआती जांच में इसे प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला माना जा रहा है। हालांकि पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि,पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

जिले में गत सप्ताह में हुए प्रेमी जोड़ों के शिलशिलेवार सुसाईट और मातम के मामले से महासमुन्द सिहर उठा है। अभी कुछेक दिन पहले ही बसना थाना के भंवरपुर चौकी क्षेत्र में भी एक प्रेमी जोड़े ने मौत को गले लगा लिया था। उस घटना की चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि, पिथौरा की इस वारदात ने प्रशासन और समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है। लगातार हो रही इन घटनाओं से जिले में युवा मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक दबाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

फील्ड में जाकर जनगणना कार्य का दिया गया व्यवहारिक प्रशिक्षण

महासमुंद(समय दर्शन)। जनगणना कार्य का प्रथम चरण जिले में 1 से 30 मई तक किया जाएगा। इस दौरान प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मोबाइल एप के माध्यम से कुल 34 प्रश्नों की जानकारी ली जाएगी। चूंकि जनगणना कार्य डिजिटल रूप में पहली बार होने वाली है, इसलिए प्रगणकों को इसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी मनोज कुमार खांडे की उपस्थिति में प्रगणकों को प्रशिक्षण देने वाले फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण जनपद पंचायत बसना में आयोजित किया गया। जिसमें सरायपाली, बसना और पिथौरा के कुल 23 फील्ड ट्रेनर्स प्रशिक्षण प्राप्त किए। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस उद्घाटन अवसर पर एसडीएम बसना हरिशंकर पैकरा ने फील्ड ट्रेनर्स को संबोधित करते हुए कहा कि, वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें तथा हर शंका का समाधान मास्टर ट्रेनर से पूछकर अवश्य करें। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस जिला मास्टर ट्रेनर तोषण गिरि गोस्वामी तथा नसीब खान द्वारा सभी फील्ड ट्रेनर्स को बसना नगर के वार्ड नंबर एक तथा ग्राम खेमड़ा ले जाकर जनगणना कार्य का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रत्येक फील्ड ट्रेनर्स द्वारा दस से पंद्रह घरों में जाकर वांछित प्रश्नों के उत्तर पूछकर मोबाइल एप द्वारा प्रविष्टि किया गया। इसमें आवास, आवास सह अन्य उपयोग, दुकान, कार्यालय, खाली मकान आदि विभिन्न इकाइयों का मकान सूचीकरण किस प्रकार की जाएगी, इसकी विस्तृत जानकारी मास्टर ट्रेनर द्वारा मौके पर व्यवहारिक रूप से दिया गया। इस दौरान तहसीलदार कृष्ण कुमार साहू, सीएमओ नगर पंचायत बसना सूरज कुमार सिदार तथा उनके कार्यालयीन स्टाफभी सहयोग के लिए उपस्थित थे। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले फील्ड ट्रेनर्स द्वारा अब अपने अपने नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नियुक्त प्रगणकों तथा सुपरवाइजरों को अप्रैल महीने में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यकारिणी घोषणा के साथ ही एक्शन मोड में कांग्रेस, विपिन यादव ने मंडल स्तर पर नियुक्त किये प्रभारी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही जिलाध्यक्ष विपिन यादव के नेतृत्व में संगठन पूरी तरह एक्शन मोड़ में नजर आया। घोषणा के अगले ही दिन आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के माध्यम से नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ संवाद स्थापित कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में ठोस शुरूआत की गई। प्रथम बैठक में ही कार्यकर्ताओं के उत्साह और सक्रियता ने यह स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस अब बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी अनीस खान द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि जिलाध्यक्ष विपिन यादव की सक्रिय पहल और मजबूत नेतृत्व के चलते प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के मार्गदर्शन में संचालित सृजन संगठन अभियान को गति देते हुए बूथ कमेटियों के गठन हेतु मंडल स्तर पर प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की गई। यह पहल संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त और सक्रिय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्रीमती छन्नी साहू एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सूर्य कुमार खिलाड़ी की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रारंभ में नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपना परिचय देते हुए संगठन के प्रति निष्ठा व्यक्त की और कांग्रेस विचारधारा के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने सभी पदाधिकारियों का गमछा भेंटकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत करते हुए एकजुटता का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में छन्नी साहू ने संगठन की मजबूती के लिए एकजुटता, समन्वय और जनता से सतत संवाद को आवश्यक बताया। वहीं जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी को जिम्मेदारी के साथ एक अवसर मिला है, जिसे पूरी निष्ठा से निभाते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संगठन का हर कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है और हम सभी को परिवार की तरह मिलकर कार्य करना है, ताकि कांग्रेस पार्टी को आगामी प्रत्येक चुनाव में विजय दिलाई जा सके। विपिन यादव ने बूथ स्तर को संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बताते हुए निर्देशित किया कि सभी प्रभारी तत्काल अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर गांव-गांव बैठकों के माध्यम से सशक्त बूथ कमेटियों का गठन सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी महामंत्री राहुल तिवारी ने किया। उन्होंने सभी प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में कार्य प्रारंभ कर निर्धारित समय में प्रगति की जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक पटाखे फोड़कर एवं कांग्रेस के नारों के साथ अपनी खुशी व्यक्त की।

परिसीमन की आहट में पाण्डुका-गरियाबंद उपेक्षित ? राजिम विधायक पर क्षेत्र से मोहभंग के आरोप

तीसरी विधानसभा बनने की तैयारी के बीच विकास कार्य ठप, स्थानीय लोगों में बढ़ता आक्रोश

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में प्रस्तावित परिसीमन की सुगबुगाहट ने राजनीतिक सरगर्मी तो बढ़ा दी है, लेकिन इसी के साथ राजिम विधानसभा के पाण्डुका से गरियाबंद तक का इलाका खुद को उपेक्षित महसूस कर रहा है। आरोप है कि राजिम के बीजेपी विधायक का इस क्षेत्र से मोहभंग हो चुका है, जिसके चलते यहां विकास कार्य लगभग ठप पड़ गए हैं।

ज्ञात हो कि गरियाबंद जिले में वर्तमान में दो विधानसभा क्षेत्र—बिन्द्रानवागढ़ और राजिम—हैं, लेकिन परिसीमन के बाद तीसरी विधानसभा बनने की संभावना ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं।इसी संभावित बदलाव का असर अब जमीन पर भी देखने को मिल रहा है। जहां

पाण्डुका से लेकर गरियाबंद तक के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि राजिम विधायक इस क्षेत्र में न तो दौरा कर रहे हैं और न ही विकास कार्यों के लिए राशि आबंटित कर रहे हैं। सड़क, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कई काम अधूरे पड़े हैं, लेकिन जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई पहल नजर नहीं आ रही।

स्थानीय लोगों का कहना है कि परिसीमन के बाद यह इलाका राजिम विधानसभा से अलग हो सकता है,शायद इसी कारण विधायक का ध्यान अब इस क्षेत्र से हट गया है।पहले कभी-कभार दौरा होता था,अब तो पूरी तरह से अनदेखी किया जा रहा है, ।

राजनीतिक हलचल तेज

इस मुद्दे को लेकर विपक्ष को भी बड़ा मौका मिल गया है। कांग्रेस और अन्य दलों के नेताओं ने इसे जनता के साथ विश्वासघात बताते हुए कड़ी आलोचना शुरू कर दी है। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधि का काम पूरे कार्यकाल तक हर क्षेत्र का विकास करना है, न कि संभावित परिसीमन के आधार पर भेदभाव करना।

जनता में बढ़ता आक्रोश

लगातार उपेक्षा से नाराज ग्रामीणों में अब विरोध की आवाज भी उठने लगी है। परिसीमन से पहले ही यदि क्षेत्रीय असंतुलन और उपेक्षा के आरोप सामने आने लगे हैं,तो यह आने वाले चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित कर सकता है।अब देखना होगा कि राजिम विधायक इन आरोपों पर क्या सफाई देते हैं और क्या वाकई पाण्डुका से गरियाबंद तक के विकास कार्यों में तेजी आती है या नहीं।

वृद्धा पेंशन नही मिलने से गरीब परसन ,जनपतिनिध ने कई बार शिकयत कर चुके है लेकिन अधिकारी नही दे रही ध्यान

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन में इन दिनों विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन और विकलांग पेंशन को लेकर गंभीर समस्या सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि पिछले लगभग 5 महीनों से हितग्राहियों को पेंशन राशि नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण गरीब महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजमर्रा के खर्चों के लिए पेंशन पर निर्भर रहने वाले लोगों की स्थिति दिन-ब-दिन दयनीय होती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस संबंध में नगर पंचायत पाटन के नेता प्रतिपक्ष आभाष दुबे ने भी शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि पेंशन नहीं मिलने की शिकायत कई बार नगर पंचायत में की जा चुकी है, इसके बावजूद उच्च अधिकारी इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। आभाष दुबे ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही पेंशन वितरण की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे कलेक्टर कार्यालय में इसकी शिकायत करेंगे। उन्होंने शासन से मांग की है कि तत्काल लंबित पेंशन राशि का भुगतान कराया जाए, ताकि जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके। वहीं, स्थानीय लोगों ने कलेक्टर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और पाटन एसडीएम से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। उनका कहना है कि सरकार द्वारा किए गए वादों के बावजूद जमीनी स्तर पर लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे आमजन में नाराजगी बढ़ती जा रही है। पेंशन जैसी महत्वपूर्ण योजना में लापरवाही गरीब वर्ग के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है, जिस पर शीघ्र कार्रवाई आवश्यक है।

संक्षिप्त-खबर

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अमलेश्वर मंडल के लवकुश चंद्राकर महामंत्री नियुक्त

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम रूही के ऊर्जावान, मिलनसार एवं कर्मठ जुझारू कार्यकर्ता भैया लवकुश चंद्राकर जी को भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अमलेश्वर मंडल महामंत्री नियुक्त होने पर अमलेश्वर मंडल के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का मंडल महामंत्री बनाया जाना सौभाग्य की बात है इसके लिए मैं प्रदेश अध्यक्ष किरण देव जी , दुर्ग सांसद विजय बघेल जी,जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक जी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष तेखन सिन्हा जी मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर जी के साथ ही मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं पार्टी के हर आदेश को सहर्ष स्वीकार करते हुए अधिक से अधिक मेहनत कर पार्टी को मजबूत बनाने का प्रयास करूंगा। लवकुश चंद्राकर को बधाई देने वालो में प्रमुख रूप से श्रीमती हर्षा चंद्राकर, लोकमनी चंद्राकर, खिलावन वर्मा, कीर्ति नायक, कैलास यादव, धर्मेंद्र कौशिक, दयानंद सोनकर, नीलम चंद्राकर, राजेश चंद्राकर, रूपेंद्र साहू, सुरेन्द साहू, धर्मेंद्र सोनकर, फेरहाराम धीवर, रामाधार साहू, कुमार साहू, रेवती सोनकर, रवि सिंगौर, घनश्याम कौशिक, उत्तरा सोनवानी, पन्नालाल बंजारे, ललित सोनकर, जनक साहू, भानु सोनकर, गायत्री साहू मधुकांता साहू, सुखदेव साहू, टीकाराम साहू, मनीष कोशले, मोहन लोधी, राकेश चंद्राकर, कुंदन देवांगन, अविक चंद्राकर, मनहरण सिंगौर, सुरेंद्र सिंगौर, अजय चंद्राकर, भीषम सिंगौर, सहित अमलेश्वर मंडल के ज्येष्ठा श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं ढेरों बधाइयाँ दी है।

पान्हदा अ में धूमधाम से मनाई कर्मा जयंती

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पान्हदा अ में कर्मा जयंती का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर साहू समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं युवाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भक्त माता कर्मा के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और समाज में एकता एवं सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकार शामिल हुए। वहीं विशेष अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकार, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकार तथा सरपंच चंद्रिका साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नंदलाल साहू, मधुकांता साहू, गायत्री साहू, टिका राम साहू सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। आयोजन पूरे उत्साह और धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ।

जामगांव आर में भव्य राम मंदिर की स्थापना, निकली कलश यात्रा

पाटन (समय दर्शन)। जामगांव आर में राम मंदिर की स्थापना भव्य और श्रद्धापूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस अवसर पर गांव में कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। मंदिर स्थापना के दौरान विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर को विशाल और आकर्षक स्वरूप दिया गया है, जो क्षेत्र के आस्था केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद विजय बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी बघेल, जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकर एवं सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकार शामिल हुए। इस अवसर पर नरेश केला, गंगेश्वर साहू, आशु चंद्रवंशी, हर्षा चंद्राकर, पूर्णेन्दु सिन्हा, शैलेन्द्री मंडावी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। आयोजन श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

जिला स्तरीय रोजगार मेला, नियोजकों से रिक्तियों की जानकारी आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं क्रिश्चियन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 10 अप्रैल 2026 को क्रिश्चियन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी कैलाश नगर भिलाई में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु नियोजकों से रिक्तियों की जानकारी आमंत्रित है तथा निजी क्षेत्र के लगभग 3000 तकनीकी एवं गैर तकनीकी रिक्त पद अपेक्षित है। जिला रोजगार कार्यालय के उपसंचालक ने बताया कि 10 अप्रैल 2026 को आयोजित इस जिला स्तरीय रोजगार मेला हेतु वर्तमान में कुल 9 नियोजकों से 1027 तकनीकी एवं गैर तकनीकी पद प्राप्त है, जिसकी जानकारी रोजगार विभाग के वेबसाईट **www.erojgar.cg.gov.in** अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार एप पर उपलब्ध है तथा उपलब्ध पदों के लिए इच्छुक आवेदकों द्वारा जानकारी प्राप्त कर ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है।

हजारों महिलाओं ने 'बचपन का टिकट' में फिर जिया बचपन

बचपन का टिकट: खेल-खेल में मुस्कान और सशक्तिकरण का संगम,बचपन की यादों के साथ गूंजा पद्मनाभपुर मिनी स्टेडियम

कार्यक्रम की सफलता अंदाज इसी से लगाया जा सकता है महिलाएं सभी खेल प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित होना चाहती थी- सरोज पाण्डेय

दुर्ग (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डेय के नेतृत्व में सखी सहेली महिला समिति द्वारा आयोजित बचपन का टिकट चलव दीदी खेल खेले बर जाबो का कार्यक्रम दुर्ग के पदमनाभपुर मिनी स्टेडियम में खेल खेलने और अपने बचपन के दिनों को वापस याद करने हजारों महिलाओं की उपस्थिति में मस्ती, आनंद और हर्षोल्लास के साथ उत्सव के रूप में संपन्न हुआ, कार्यक्रम का शुभारंभ मशाल प्रज्वलित कर उपस्थित प्रतिभागियों के द्वारा मैदान में मशाल लेकर भ्रमण किया गया इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कार्यक्रम के नेतृत्व कर्ता सरोज पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित रही 7 कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के खेल कबड्डी, खो-खो, रस्सी खींच, फुग्गडी, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, जलेबी दौड़, बोरा दौड़, बिल्स, गोटा का आयोजन किया गया कार्यक्रम के संपादन की दृष्टिकोण से खेलों के रेफरी और उसके निर्णायकों की भी व्यवस्था की गई थी ताकि खिलाड़ियों के हार जीत का फैसला किया जा सके पूरी तरह से पारिवारिक माहौल और खुशनुमा माहौल के बीच महिलाओं ने अपना जीवन को जिया सभी महिलाएं खिलाड़ी के रूप में वर्ग अनुसार प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते रहे सामूहिक खेल कबड्डी, रस्सा खींच, टीम का गठन कर उन्होंने हिस्सा लिया उपस्थित खिलाड़ियों के लिए निशुल्क चाट, गुपचुप, भेल, चना जोरगरम, बुड्ढी के बाल ,बर्फ गोला, कुल्फी की व्यवस्था की गई थी ताकि वह खेलों के साथ-साथ पारंपरिक व्यंजनों का भी लुफ्त उठा सकें।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे एवं पार्षद दुर्ग नगर निगम महापौर अलका बाघमार एवं पार्षद के बीच कबड्डी प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें पारिवारिक और बचपन की यादों को याद करते हुए खेल का आनंद लिया जिसमें दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया।

इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय ने कहा कि वे महिलाएं जो जीवन की आपाधापी के बीच अपने वास्तविक जीवन को भूल चुकी होती हैं अपनी वास्तविक मुस्कुराहट को दबा कर रखे रहती हैं उन्हें कुछ पल जीने के लिए उनके पुराने एवं पारंपरिक खेल खेलने के लिए मैदान प्रदान किया गया आयोजन का मुख्य उद्देश्य जीवन में आयोजन स्थल पर पहुंचते ही बचपन के दिनों की तरह महिलाएं के चेहरे पर निश्छल, निर्मल, चिंता मुक्त दुनिया सामने आ गई। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डेय ने आगे कहा कि बचपन का टिकट केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के भीतर छिपी ऊर्जा, खुशी और आत्मविश्वास को पुन: जागृत करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में महिलाएं अपने लिए समय नहीं निकाल पातीं, ऐसे में यह आयोजन उन्हें मानसिक सुकून, खुशी और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का माध्यम बना है।

मौहाढोढा में आग का तांडव, 15 से

20 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर खाक; किसानों की साल भर की मेहनत स्वाहा

सारंगढ़-बिलाईगढ़ -(समय दर्शन)। सारंगढ़ जिला मुख्यालय के नजदीकी ग्राम मौहाढोढा में सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब खेतों में खड़ी गेहूं की सुनहरी फसल अचानक आग की लपटों में घिर गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और लगभग 15 से 20 एकड़ में फैली गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में किसानों को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई मुश्किल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय खेत के एक हिस्से से धुआं उठता दिखाई दिया। जब तक ग्रामीण कुछ समझ पाते, तेज हवाओं के कारण आग की लपटें एक खेत से दूसरे खेत में तेजी से फैलने लगीं। गांव में शोर मचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर व पंप की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि ग्रामीणों के संसाधन नाकाफी साबित हुए। घटना की सूचना तत्काल प्रशासन और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो आसपास के सैकड़ों एकड़ में खड़ी अन्य फसलें भी इसकी जद में आ सकती थीं। हालांकि, जब तक आग बुझाई गई, तब तक कई किसानों की तैयार फसल राख के ढेर में बदल चुकी थी। आग लगने के स्पष्ट कारणों की पुष्टि अभी नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि खेतों के ऊपर से गुजरने वाले बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसकी चिंगारी सूखी पराली पर गिरी और इस बड़े हादसे का सबब बनी।

फसल कटाई के मुहाने पर खड़ी थी और किसान अपनी उपज घर ले जाने की तैयारी में थे। इस हादसे ने प्रभावित किसानों की कमर तोड़ दी है। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजे की गुहार लगाई है ताकि उन्हें इस आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

अमेरी में जानकार ही करते हैं अवैध प्लाटिंग का काम, शासकीय शिक्षक बेच रहे टुकड़े में जमीन

बिलासपुर (समय दर्शन)। अमेरी नगर पालिका निगम क्षेत्र के अंतर्गत नीलिमा जॉन पिता डब्लू जे राम इन दिनों अपनी पैतृक जमीन को बगैर कॉलोनाइजिंग लाइसेंस और टीएनसी अप्रूवल के टुकड़े में बेच रहे हैं। उनकी ओर से रामेश्वर प्रसाद वस्त्रकार आम सूचना देते हैं। अवैध प्लाटिंग का मामला 1000, 1200 स्क्वायर फीट कि अब तक 9 टुकड़े बेचे जा चुके हैं। जिनके खसरा नंबर 87 / 30 के बटांकन में है।

पूरी जमीन 28 नवंबर 2025 से 28 जनवरी 2026 के बीच में बेची गई। नीलिमा जॉन ने अपनी जमीन को टुकड़े में उमाकांत साहू, आरती कौशिक, किरण अनंत, मुकेश कश्यप, शिखा तिवारी, राजेश तारले, कालेश्वर कश्यप को बेजा है। खसरे में बिल्डर के बोर्ड भी लगे दिखाई देते हैं। नगर निगम को इस अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही करने की फुर्सत नहीं है। आश्चर्य की बात यह है कि भूमि स्वामी नीलिमा जॉन अपने अन्य रिश्तेदारों की जमीन को भी बेच रही है। बताया जाता है कि नीलिमा जॉन शिक्षा विभाग में कार्यरत है। अत: ऐसा माना जा सकता है कि उन्हें पता है कि भूखंडों को टुकड़े में रजिस्ट्री कर देना बहुत से नियमों का उल्लंघन है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला दुर्ग द्वारा केन्द्रीय जेल दुर्ग का किया गया निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। विगत 28 मार्च को मुख्यालय स्थित केन्द्रीय जेल दुर्ग का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में उन्होंने महिला प्रकोष्ठ में निरूद्ध महिला बंदियों से उनकी प्रकरण की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता, साफ सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। तत्पश्चात जेल अस्पताल में बीमार बंदियों के स्वास्थ्य के बारे में व्यक्तिगत चर्चा कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं से अवगत हुए। उन्होंने पुनर्वास आधारित योजनाएँ के तहत कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बंदियों, एल.ई.डी. बल्ब, आचार, फर्नीचर एवं अन्य सामग्री तैयार कर रहे बंदियों से उनके प्रकरण में बारे में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल में सजायाफ्ता बंदियों के अपील संबंधी प्रकरणों को अद्यतन करने एवं बंदियों को प्रकरण की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के निर्देश जेल अधिकारियों को दिये।

उन्होंने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उनकी दैनिक दिनचर्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नालसा की नि:शुल्क और सक्षम विधिक सेवाएँ के तहत नव आगंतुक बंदियों को उनके प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के विषय में बताया गया तथा जो बंदी निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क विधिक सहायता सलाह प्रदान कर उनकी पैरवी हेतु नि:शुल्क अधिवक्ता की नियुक्ति किए जाने की जानकारी दी गई। जेल प्रशासन को ऐसे बंदी जिन्हें परिहार का लाभ दिया जा सकता है, उनके आवेदन के लंबित रहने के कारणों सहित जानकारी प्राधिकरण को प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने स्वच्छता का विशेष ध्यान देने पर जोर देते हुए जेल प्रशासन को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि बंदियों को प्रदान की जाने वाली सभी मौलिक सुविधाएं, जिनमें स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित चिकित्सा जाँच और शिक्षा के अवसर भी सम्मिलित हैं, को बिना किसी व्यवधान के प्रदान किया जाना सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कैदियों का डेटा (ट्रायल स्थिति, जमानत, सजा अवधि) डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सत्यापित किये जाने के संबंध में जानकारी लेकर लंबित मामलों वाले बंदियों की पहचान कर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव, जेल अधीक्षक, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, एलएडीसीएस के कौंसिल व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया सहायक उपकरण वितरण, 296 दिव्यांगजनों को मिला लाभ

दुर्ग (समय दर्शन)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के तहत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर के सहयोग से मानस भवन (रविशंकर स्टेडियम के पास) में आयोजित किया गया।

विगत दिवस भिलाई-03, नगर पालिक निगम सुपेला भिलाई और जिला पंचायत परिसर में दिव्यांगजनों के लिए चिन्हांकन शिविर लगाए गए थे। साथ ही 18 से 20 फरवरी तक मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों का चयन किया गया था। कार्यक्रम में कुल 296 हितग्राहियों को 584 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें बैसाखी 86, व्हीलचेयर 41, मोटराइज्ड ट्राइसायकल 68, श्रवण यंत्र 128, स्मार्टफोन 11, सामान्य ट्रायसायकल 53, ब्रेल किट 20, स्मार्ट केन 30, क्रच एल्बो लार्च 34, वॉकिंग स्टिक 13, टीएलएम किट 21, वॉकर 13, कुशन 20, कृत्रिम पैर एवं कैलिपर 27, टेट्रापॉड 10, सीपी व्हीलचेयर 4 और रोलैटर 5 शामिल हैं।

इस अवसर पर मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों को दैनिक जीवन में सुविधा होगी और वे सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। उन्होंने कहा कि तकनीक और संसाधनों की मदद से दिव्यांगजन हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे और अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचे।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरस्वती बंजारे, एनटीपीसी कंपनी से श्री नील कुमार शर्मा, श्री जे.के. दलाई, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्री ए.पी.गौतम, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति श्री शिवेन्द्र परिहार, पार्षदगण श्री ज्ञानेश्वर ताम्रकार, श्री देवनारायण चंद्राकर, श्री शिव नायक, श्री मनीष कोठारी, श्री गुलशन साहू, श्री संजय अग्रवाल सहित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

निधन

श्रीमती कांता मुरकुटे

दुर्ग । पद्मनाभपुर एलआईजी-601 निवासी श्रीमती कांता रूपचंद मुरकुटे 75 वर्ष का सोमवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 31 मार्च, मंगलवार को प्रात: 11 बजे शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे रूपचंद मुरकुटे की पत्नी, वीरेंद्र मुरकुटे, रवि मुरकुटे, जयश्री समर्थ की माताजी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश समर्थ की सास थी।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26